mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-166 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

18 जून 2025 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

इंग्लैंड के खिलाफ...
@ पेज 7

मौलाना महमूद मदनी ने किया जाति आधारित जनगणना का समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असअद मदनी ने एक महत्वपूर्ण बयान जारी करते हुए देश में होने वाली जाति आधारित जनगणना का जोरदार समर्थन किया है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि यह प्रक्रिया न्यायपूर्ण शासन, सही नीति निर्माण और संसाधनों के समान वितरण को सुनिश्चित करेगी। मौलाना मदनी ने कहा कि जाति आधारित जनगणना अब केवल एक सरकारी औपचारिकता नहीं रही, बल्कि यह एक सामाजिक और राजनीतिक आवश्यकता बन चुकी है। इससे मिलने वाले आंकड़े आरक्षण नीति, सामाजिक विकास योजनाओं और कल्याणकारी लाभों के निष्पक्ष वितरण पर सीधा प्रभाव डालेंगे।

मौलाना मदनी ने मुसलमानों से की ये अपील: इस संदर्भ में मौलाना मदनी ने देश के सभी मुसलमानों से अपील की है कि वे इस जनगणना प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लें। हर मुस्लिम परिवार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी प्रचलित जाति की पहचान सही तरीके से दर्ज हो। जमीयत उलेमा-ए-हिंद की स्थानीय इकाइयों, सभी मुस्लिम संगठनों, धार्मिक संस्थाओं और समुदाय के नेताओं से अनुरोध किया गया है कि वे आम लोगों का मार्गदर्शन करें और उन्हें इस प्रक्रिया के दीर्घकालिक प्रभावों से अवगत कराएं।

कमजोर मुसलमानों को न्याय दिलाने का प्रयास हो: मौलाना मदनी ने यह भी स्पष्ट किया कि यह कदम इस्लामी बराबरी के सिद्धांतों के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह एक व्यावहारिक आवश्यकता है। उन्होंने

कहा कि यद्यपि इस्लाम एक समानता-आधारित समाज का समर्थन करता है, लेकिन भारत में मुसलमानों का एक बड़ा हिस्सा सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़ा रह गया है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम इसे एक नैतिक और संवैधानिक कर्तव्य समझकर, सबसे अधिक वंचित तबकों, विशेषकर पिछड़े और कमजोर मुसलमानों को न्याय दिलाने का प्रयास करें। हम भारत सरकार से मांग करते हैं कि जाति आधारित जनगणना में पारदर्शिता, निष्पक्षता और गंभीरता से कार्य किया जाए और किसी भी समुदाय के साथ भेदभाव न किया जाए।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सोमवार को कहा है कि जनगणना 2027 में जाति जनगणना शामिल होगी। भारत में जनगणना दो चरणों में की जाएगी और इसको लेकर केंद्र सरकार की ओर से अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। जनगणना का पहला चरण एक अक्टूबर 2026 तक पूरा होगा जबकि दूसरा चरण एक मार्च 2027 तक पूरा होगा।

संक्षिप्त समाचार

इजरायल और ईरान के बीच छिड़ी जंग पर दुनिया में मचा घमासान

मास्को (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच जंग भयावह होती जा रही है। दोनों देश एक-दूसरे पर लगातार भीषण हमले कर रहे हैं। इजरायल और ईरान में छिड़ी जंग के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के एक सहयोगी ने बड़ा बयान दिया है। पुतिन के एक सहयोगी ने कहा है कि इजरायल ईरान के साथ संघर्ष को शांति के रास्ते पर लाने के लिए किसी मध्यस्थता के लिए तैयार नहीं है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने प्रेसवार्ता में कहा, ''फिलहाल, हम इजरायल की ओर से किसी भी तरह की मध्यस्थता में शामिल होने या शांति के मार्ग पर चलने में अनिच्छा देख रहे हैं। हमने यही देखा है।'' वह इस प्रश्न का उत्तर दे रहे थे कि क्या ईरान-

इजरायल सैन्य संघर्ष के समाधान में मध्यस्थता करने की रूसी राष्ट्रपति की तत्परता पर कोई प्रतिक्रिया हुई है। पेस्कोव ने कहा कि रूस को नहीं लगता कि इजरायल ईरान के साथ संघर्ष को सुलझाने के लिए किसी मध्यस्थ की मदद लेगा और 'सामान्य तौर पर शांति की राह पर आगे बढ़ेगा।' दिमित्री पेस्कोव ने कहा, ''आप सभी जानते हैं कि रूसी पक्ष और विशेष रूप से राष्ट्रपति पुतिन ने कहा है कि यदि आवश्यक हुआ तो रूस ऐसी मध्यस्थता सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार है।'' इस बीच, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अपने इंडोनेशियाई समकक्ष सुगियोनो के साथ वार्ता के दौरान इस बात पर जोर दिया कि दुनिया को इजरायल और ईरान के बीच सैन्य संघर्ष को कम करने तथा कूटनीतिक समाधान खोजने के लिए कोई कसर नहीं छोड़नी चाहिए।

ट्रंप ने ईरान को दी सीधी धमकी

अमेरिका (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच जंग घातक होती जा रही है। इजरायल ने लगातार हमले कर के ईरान के दर्जनों सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों को खत्म कर दिया है। इजरायली हमलों में ईरान के सैन्य

ठिकानों को भी बड़े नुकसान की खबर है। ईरान ने भी लगातार मिसाइल हमलों के जरिए इजरायल के कई शहरों में तबाही मचाई है। वहीं, अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सीधी चेतावनी जारी की है। ट्रंप ने ईरान को बिना किसी शर्त के सरेंडर करने को कहा है। ट्रंप ने ये भी कह दिया है कि उन्हें पता है कि ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई कहां छिपे हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर कहा- ÷ईरान के आसमान पर अब पूरी तरह से हमारा कंट्रोल है। ईरान के पास अच्छे स्काई ट्रैकर और अन्य डिफेंस सिस्टम थे। हालांकि, इनकी तुलना अमेरिका द्वारा बनाए गए सामान से नहीं की जा सकती है। कोई भी इस काम को अमेरिका से बेहतर तरीके से नहीं कर सकता।÷ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को धमकी देते हुए साफ कर दिया है कि उन्हें पता है कि अयातुल्ला खामेनेई कहां छिपे हुए हैं। ट्रंप ने कहा- ÷हम अच्छी तरह से जानते हैं कि तथाकथित ÷सुप्रीम लीडर÷ कहां छिपे हुए हैं। वह एक आसान टारगेट है, लेकिन वहां सुरक्षित हैं। हम उन्हें खत्म नहीं करने जा रहे हैं। कम से कम अभी के लिए तो नहीं। लेकिन हम नहीं चाहते कि मिसाइलें नागरिकों या अमेरिकी सैनिकों पर दागी जाएं। हमारा धैर्य खत्म हो रहा है। इस मामले पर आपका ध्यान देने के लिए धन्यवाद।÷ इजरायल ने ईरान के एयर डिफेंस, हथियार भंडार जैसे कि मिसाइल लॉन्च सिस्टम, परमाणु ठिकानों, तेल डिपो समेत कई जगहों को तबाह कर दिया है। ईरान के कई शहरों में लगातार मिसाइल स्ट्राइक जारी है।

अहमदाबाद विमान हादसे की साइट से मिला 800 ग्राम गोल्ड

अहमदाबाद (निप्र)। एअर इंडिया की अहमदाबाद से लंदन जाने वाली फ्लाइट ढ्ढ-171 (बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर) जहां क्रैश हुआ था, वहां से 80 तोला (800 ग्राम) गोल्ड, ?80 हजार क्रैश, एक मोबाइल फोन, भगवद गीता

की कॉपी, 9 पासपोर्ट्स और दूसरा सामान बरामद हुआ। घटना के दौरान मौके पहुंचे शख्स राजेश पटेल के मुताबिक- जब वे घटनास्थल पर पहुंचे तो वहां अंधेरा था। मलबे में एक मोबाइल मिला, एक लैपटॉप भी है। इसके अलावा जेवर, नकदी, पासपोर्ट्स मिले हैं। इन सबको सरकारी अधिकारियों के पास जमा कराया गया है। 4-5 बैग भी सौंपे हैं।गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने 15 जून को कहा था कि घटनास्थल से जो सामान रिकवर किया गया है उसका डॉक्यूमेंटेशन किया जा रहा है। इसके बाद मृतकों से जुड़ा सामान उनके परिजनों को लौटाया जाएगा।12 जून की दोपहर प्लेन क्रैश हुआ था। उड़ान भरने के कुछ सेकेंड के भीतर ही विमान बीजे मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल की हॉस्टल बिल्डिंग पर गिर गया था। इसके बाद विमान में आग लग गई थी।घटना में प्लेन सवार 229 यात्री, 10 क्रू और 2 पायलट समेत की मौत हुई है। प्लेन सवार एक यात्री जीवित बचा है। हॉस्टल में मौजूद 34 लोगों की भी जान गई है। कुछ स्थानीय लोग भी शामिल हैं।

डाव से की गई थी राजा की हत्या

जहां किया पति राजा रघुवंशी का मर्डर, उसी जगह पर फिर पहुंची सोनम

इंदौर (एजेंसी)। राजा रघुवंशी मर्डर केस में हर दिन नया चैप्टर खुल रहा है। मेघालय पुलिस मंगलवार को क्राइम सीन को रिक्रिएट करने के लिए मर्डर वाले स्पॉट सोहरा के वेइसाडोंग फॉल्स पर पहुंची। सोनम और तीनों हत्यारों के साथ मर्डर का सीक्वेंस दोहराया गया। सोनम रघुवंशी जिसने अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या की प्लानिंग शादी से पहले बनाई और हनीमून पर उसे अंजाम दिया। सोनम की इस पूरी साजिश में उसका प्रेमी राज कुशवाहा शामिल रहा।

राजा रघुवंशी हत्याकांड में मेघायल पुलिस ने आज एक और चौंकाने वाला खुलासा किया। शिलांग एसपी विवेक स्येम ने बताया कि 23 मई को सोहरा के वेइसाडोंग फॉल्स के पास राजा की हत्या में एक नहीं, बल्कि दो डाव (धारदार हथियार) का इस्तेमाल किया गया था।

इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी की सोनम के साथ 11 मई को शादी हुई थी। दोनों मेघालय के शिलांग हनीमून ट्रिप पर थे, लेकिन राजा रघुवंशी को क्या पता था कि उसकी पत्नी

उसकी हत्या की प्लानिंग कर बैठी है। 29 साल के राजा रघुवंशी की 23 मई को वेइसाडोंग फॉल्स के पास हत्या कर दी गई और उसका शव 2 जून को एक खाई से बरामद किया गया। पुलिस ने पुष्टि की थी कि राजा की हत्या एक धारदार हथियार से की गई थी।

इसके बाद 9 जून को सोनम को पुलिस ने यूपी के गाजीपुर के एक ढाबे से गिरफ्तार किया। राजा रघुवंशी की हत्या में पत्नी सोनम, उसका प्रेमी राज कुशवाहा के अलावा तीन सुपारी किलर्स आकाश, विशाल और आनंद (तीनों राज के दोस्त हैं) शामिल हैं। सभी आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

अदालत के बैंक अकाउंट में लगाई सेंध

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित जिला अदालत के बैंक खाते में सेंध लगाकर करीब 64 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में सूचना प्रौद्योगिकी के एक विशेषज्ञ और उसके पिता को मंगलवार को गुजरात के वलसाड से

गिरफ्तार किया गया है। इंदौर पुलिस ने इस गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपियों ने एक निष्क्रिय मोबाइल नंबर का दुरुपयोग कर इस बड़े ऑनलाइन फर्जीवाड़े को अंजाम दिया। इंदौर के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि 5 मार्च से 11 जून के बीच एक अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (एडीजे) की अदालत के बैंक खाते से कुल 64.05 लाख रुपये धोखाधड़ी के जरिए निकाले गए थे। इस मामले में हाल ही में प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। जांच में मिले सबूतों के आधार पर गुजरात के वलसाड से 26 वर्षीय साहिल रंगरेज और उसके पिता 57 वर्षीय साजिद सत्तार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, इस धोखाधड़ी की जड़ अदालत के बैंक खाते से जुड़े एक मोबाइल नंबर में थी।

बिहार-झारखंड पहुंचा मानसून, 19 राज्यों में बारिश

दिल्ली में खराब मौसम से 12 फ्लाइट डायवर्ट; गुजरात में कार नदी में बही, 5 लापता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण पश्चिम मानसून मंगलवार को बिहार-झारखंड पहुंच गया है। चार जिलों औरंगाबाद, किशनगंज, कटिहार और बांका में सुबह तेज बारिश हुई। सोमवार को मानसून ने गुजरात-मध्य प्रदेश में एंट्री की थी। महाराष्ट्र के विदर्भ, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ इलाकों में भी मानसून आगे बढ़ा है। गुजरात के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटों से हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन

बुरी तरह प्रभावित हुआ है। सबसे ज्यादा असर बोटाद जिले में हुआ। यहां 40 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, जबकि एक कार उफनती नदी में बहने से 5 लोग लापता हो गए। आज गुजरात और सौराष्ट्र में भारी बारिश का रेड अलर्ट है। MP, UP, राजस्थान और बिहार में बिजली गिरने से सोमवार को 19 लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश-राजस्थान समेत 17 राज्यों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

इधर, दिल्ली में मानसून से पहले की बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली, लेकिन कई इलाकों में पानी भर गया। खराब मौसम की वजह से दोपहर 3 से 4 बजे के बीच 12 फ्लाइट्स डायवर्ट की गई।राजधानी में 35-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं, जिससे कई जगह पेड़ उखड़कर गिर गए। इसे ट्रैफिक जाम हुआ। कई गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचा।इधर राजस्थान में प्री-मानसून की बारिश जारी है। सोमवार को जयपुर, अजमेर समेत 20 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। मंगलवार को भी 26 जिलों में अलर्ट है। मध्य प्रदेश में अगले 2 दिन में मानसून भोपाल-इंदौर में दस्तक दे सकता है। तब तक 40 जिलों में आंधी-बारिश जारी रहेगी। मानसून सबसे आखिर में ग्वालियर-चंबल पहुंचेगा।

एयर इंडिया पर भड़क उठीं सुप्रिया सुले

एविएशन मंत्री से की शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद में बीते हफ्ते एयर इंडिया का विमान क्रैश हो गया था। इस घटना में विमान में सवार 242 में से 241 लोगों की मौत हो गई थी। जहां विमान क्रैश हुआ, वहां भी बड़ी संख्या में लोग मारे गए थे। इस घटना के बाद से एयर इंडिया की कई उड़ाने रद्द की गई हैं या फिर उनमें देरी हो रही है। एयरलाइंस के विमानों में तकनीकी दिक्कतों की बात भी सामने आई है। इस बीच अब लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले के साथ भी एयर इंडिया से यात्रा के दौरान ऐसी ही कुछ घटना हुई है जिस कारण उनका गुस्सा फूट पड़ा है। आइए जानते हैं कि सुप्रिया सुले एयर इंडिया पर क्यों भड़क गई हैं।

दरअसल, सुप्रिया सुले दिल्ली से पुणे के लिए एयर इंडिया के विमान से यात्रा कर रही थीं। हालांकि, उड़ान में काफी देरी हो गई। इस घटना को लेकर सुले ने ङ्ग पर लिखा- ÷दिल्ली से पुणे के लिए एयर इंडिया की फ्लाइट ढ्ढ 2971 से यात्रा कर रही हूं। फ्लाइट 3 घंटे से ज़्यादा देरी से चल रही है। कोई स्पष्ट सूचना नहीं, कोई अपडेट नहीं,

कोई सहायता नहीं और बहुत खराब सेवा। इस तरह की देरी और कुप्रबंधन एयर इंडिया के लिए आम बात हो गई है। यात्री फंसे हुए और असहाय रह जाते हैं। यह अस्वीकार्य है। सुप्रिया सुले ने इस मामले की शिकायत, भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से भी की है। उन्होंने इस मामले में हस्तक्षेप करने और एयरलाइन को जवाबदेह ठहराने की मांग की और कहा कि यात्री इससे बेहतर के हकदार हैं।

सुप्रिया सुले द्वारा की गई इस शिकायत पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने भी जवाब दिया है। उन्होंने कहा- ÷सुप्रिया सुले जी, मैंने एयरलाइन और एयरपोर्ट अधिकारियों से बात की है। उनसे सभी प्रभावित यात्रियों की चिंताओं का तत्काल समाधान करने को कहा गया है।÷

भारत भाषाओं के आधार पर विभाजन बर्दाश्त नहीं कर सकता

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विभिन्न राज्यों में बीते कुछ समय से भाषा को लेकर कई विवाद सामने आते रहते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (हृश्वक्क) पर भी भाषा को लेकर कई राज्यों में विवाद हुए हैं। अब इस मुद्दे पर भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बड़ा बयान दिया है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा है कि भारत दुनिया का एक महत्वाकांक्षी राष्ट्र है और भाषाओं के आधार पर विभाजन बर्दाश्त नहीं कर सकता है। आइए जानते हैं कि उपराष्ट्रपति ने इस मुद्दे पर और क्या कुछ कहा है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को पांडिचेरी विश्वविद्यालय में संबोधन दिया है। उपराष्ट्रपति पांडिचेरी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (हृश्वक्क) 2020 को अक्षरशः लागू करने की वकालत की है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत के

शिक्षा क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाएगी और इससे देश के विकास को भी गति मिलेगी। उपराष्ट्रपति ने हृश्वक्कको न लागू करने वाले राज्यों से अपील करते हुए कहा कि वे इसे लागू करें। ये नीति महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी।उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पांडिचेरी विश्वविद्यालय में कहा कि पिछले दशक में अभूतपूर्व विकास के कारण भारत दुनिया का सबसे महत्वाकांक्षी राष्ट्र है। उपराष्ट्रपति ने सवाल किया कि हम भाषाओं को लेकर कैसे विभाजित हो सकते हैं? उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि दुनिया में मौजूद कोई भी देश भाषाओं के मामले में भारत की तरह समृद्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि संसद में भी सदस्यों को 22 भाषाओं में बोलने की इजाजत है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि भारत की भाषाएं समावेशिता का संकेत देती हैं। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि हमें गंतव्य को देखना चाहिए, भविष्य को ध्यान में रखना चाहिए और तूफान से उबरना चाहिए। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हृश्वक्क को दुनिया की सबसे अच्छी पॉलिसी बताया है। उन्होंने कहा कि ये नीति छात्रों को प्रतिभा और क्षमता का पूरा इस्तेमाल करने के साथ ही आगे बढ़ने और समय का सही इस्तेमाल करने का मौका देती है। उपराष्ट्रपति ने कार्यशालाओं का आयोजन कर के छात्रों को इस नीति के बारे में पूरी तरह से अवगत कराने की भी जरूरत पर जोर दिया है।

जेल में बंद गैंगस्टर काला जठेड़ी को पिता बनने की चाहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर संदीप उर्फ ??काला जठेड़ी से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। काला जठेड़ी ने संतान पाने के लिए तिहाड़ में इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) की प्रक्रिया करवाई है। वह अपनी पत्नी अनुराधा के साथ संतान पैदा करना चाहता है, जिसके लिए उनसे कोर्ट में याचिका भी दायर की थी। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। ??काला जठेड़ी की ढ्ढङ्कस्न प्रक्रिया दिल्ली की एक कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद पूरी की गई है। सूत्रों ने बताया, ''अदालत ने 14 जून को सुबह 6 से 7 बजे के बीच प्रक्रिया करने का आदेश दिया था। अस्पताल से संबंधित चिकित्सकों ने वीर्य के नमूने एकत्र करने के लिए तिहाड़ जेल परिसर का दौरा किया था। पूरी गोपनीयता बरती गई थी।'' जठेड़ी की शादी साल 2024 में मार्च के महीने में अनुराधा चौधरी नाम की महिला से हुई थी। जिस दौरान शादी हुई, उस दौरान भी जठेड़ी जेल में ही बंद था। बाद में जठेड़ी ने कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें उसने कहा था कि वह अपनी पत्नी के साथ संतान पैदा करना चाहता है, जिससे उसका वंश आगे बढ़ सके। इस मामले पर कोर्ट की तरफ से अहम जानकारी भी सामने आई थी। कोर्ट ने कहा कि एम्स के एक जवाब के अनुसार, ''गुरुग्राम की आईवीएफ टीम की देखरेख में तिहाड़ जेल में वीर्य के नमूने एकत्र किए जा सकते हैं और आईवीएफ लैब में स्थानांतरित किए जा सकते हैं, जहां आरोपी की पत्नी का इलाज किया जा रहा है और वीर्य के नमूने को (स्खलन के बाद) 60 मिनट के भीतर संरक्षित किया जाना चाहिए।''

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु की उपस्थिति में विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को बड़वानी में होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

भोपाल (एजेंसी)। राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047 के अंतर्गत विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को बड़वानी में ग्राम पंचायत तलून के खेल स्टेडियम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि रहेंगी। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल सहित अन्य मंत्रीगण कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस अवसर पर कई नवाचारों का शुभारंभ किया जाएगा जिनमें जेनेटिक काउंसलिंग जागरूकता वीडियो और प्रभावित गर्भवती महिलाओं के लिए व्यापक दिशानिर्देश/मॉड्यूल शामिल हैं। लक्षित आयु वर्ग की शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग पूर्ण करने वाली पंचायतों को सम्मानित किया जाएगा। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के एनसीसी निदेशॉलय के सहयोग से सिकल सेल मित्र पहल की शुरुआत भी की जायेगी। सिकल सेल मित्र युवा आबादी में जागरूकता के लिए सेवा प्रदाताओं के बीच लिंक के रूप में कार्य करेंगे।

इस अवसर पर संपूर्ण प्रदेश में सिकल सेल रोग के प्रति जागरूकता लाने की गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी। सिकल सेल प्रभावित 33 जिलों में विशेष परामर्श शिविर लगाए जाएंगे, जहाँ उन्हें आनुवंशिक परामर्श, रोग प्रबंधन, भावी पीढ़ी के लिए संभावनाओं और आवश्यक चिकित्सकीय सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। उप-केन्द्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक स्वास्थ्य संस्थानों में विशेष शिविर लगाकर रोगियों की पहचान, स्क्रीनिंग तथा परिवार के अन्य सदस्यों की भी जांच की जायेगी।

सिकल सेल रोगियों और उनके देखभाल कर्ताओं को पेन क्राइसिस जैसी तीव्र स्थितियों में प्रबंधन के तरीकों से अवगत कराया जाएगा। प्रभावित जिले की विशेष रूप से प्रभावित जनजातीय एवं ग्रामीण पंचायतों में स्क्रीनिंग और परामर्श के लिए अभियान चलाया जाएगा। राज्य स्तर पर विकसित जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड का वितरण किया जाएगा, जिससे लोगों को आनुवंशिक जानकारी समझने में सुविधा होगी। दिव्यांगता योजनाओं और वित्तीय सहायता से सिकल-सेल रोगियों को जोड़ने की प्रक्रिया सरल करने के लिए यूडीआईडी कार्ड निर्माण के

लिए मेगा शिविर भी लगाए जाएगे।

प्रदेश में राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन के अंतर्गत अब तक 1 करोड़ 6 लाख से अधिक नागरिकों की सिकल सेल स्क्रीनिंग की जा चुकी है और इनमें से 2 लाख से अधिक वाहक चिन्हित हुए और 29 हज़ार 277 लोग सिकल सेल रोग से ग्रसित पाए गए। इन मरीजों का उपचार जारी है। अब तक 80 लाख 9 हज़ार से अधिक सिकल सेल कार्ड वितरित किए जा चुके हैं जिनसे प्रभावित नागरिक अपनी स्वास्थ्य स्थिति को समझ कर उचित उपचार प्राप्त कर रहे हैं।

नेशनल सिकल सेल पोर्टल के माध्यम से स्क्रीनिंग व उपचार की सतत मॉनीटरिंग की जा रही है। रोगियों को निःशुल्क उपचार, जेनेटिक काउंसलिंग, औषधियां, वैक्सीनेशन एवं ब्लड ट्रांस्फ्यूजन की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अब तक 26,115 रोगियों को हाइड्रॉक्सीयूरिया दवा से उपचार मिला है। विभिन्न विभागों के साथ समन्वय कर जनजातीय स्कूलों, कॉलेजों व छात्रावासों में स्क्रीनिंग शिविर भी सतत आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदेश में मिशन की शुरुआत 15 नवंबर 2021 को राज्य हिमोग्लोबिनोपैथी मिशन के रूप में अलीराजपुर और झाबुआ में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में की थी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मिशन को 1 जुलाई 2023 को राष्ट्रीय स्तर पर शहडोल से लॉन्च किया था। वर्तमान में प्रदेश के 33 जिलों में स्क्रीनिंग जारी है, जिसमें 20 जिलों के 89 विकासखंड एवं 13 अतिरिक्त जिले (पीएम जनमन योजना) शामिल हैं।

प्रदेश के 62 हजार से अधिक बच्चों के विचार पोर्टल पर अपलोड किये गये

भोपाल (एजेंसी)। केन्द्र सरकार के प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा संचालित इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के माध्यम से स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करने के मकसद से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में इंस्पायर अवार्ड मानक योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के जरिये बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के प्रयास किये जा रहे हैं। पिछले वर्ष स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित इस योजना में शासकीय विद्यालयों के अलावा अशासकीय विद्यालय के साथ केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और अन्य विद्यालयों के बच्चे शामिल हुए। प्रतियोगिता में 62 हजार 124 बच्चों के विज्ञान से जुड़े आइडियाज भारत सरकार के पोर्टल पर अपलोड किये गये। केन्द्र सरकार की इस प्रतियोगिता में नई दिल्ली में आयोजित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश में स्थान प्राप्त विदिशा जिले की रूपाली लोधी को एक्सचेंज प्रोग्राम में वर्ष 2024 में जापान जाने का मौका मिल चुका है। योजना में कक्षा-6 से कक्षा-10 तक नियमित अध्ययनरत विद्यार्थी इस प्रतियोगिता में शामिल हो सकते हैं। केन्द्र सरकार द्वारा यह कार्यक्रम देशभर के 5 लाख विद्यालयों में संचालित किया जा रहा है। योजना के माध्यम से प्रत्येक विद्यालय से 2 सर्वश्रेष्ठ विचार के मान से लगभग 10 लाख नवाचारों को प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बच्चों और गर्भवती के पोषण आहार में चीनी, नमक, रंग तय मात्रा से ज्यादा

भोपाल (एजेंसी)। मप्र सहित तमाम राज्यों में चल रहीं आंगनवाड़ियों के नाश्ते -भोजन में चीनी और नमक की मात्रा नियंत्रित करने के लिए आदेश जारी हुए हैं। केंद्र ने सभी राज्यों को पत्र लिखकर टेक होम राशन और पके भोजन में चीनी, नमक और रंगों की अधिक मात्रा के बारे में चेताया है। केंद्र ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के नियमों के मुताबिक बच्चों और गर्भवती महिलाओं के पोषण में शक्कर और नमक की मात्रा नियंत्रित होनी चाहिए। राज्यों के मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों को लिखे पत्र में केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्रालय ने ये निर्देश दिए हैं । राशन पैकेट की जांच में चीनी, नमक और अन्य तत्व कहीं अधिक मात्रा में मिले हैं। पत्र के मुताबिक डब्ल्यूएचओ के नियमों के तहत बच्चों और वयस्कों के भोजन में कुल पोषक तत्वों में से शक्कर 10 प्रतिशत से कम होनी चाहिए। कुल ऊर्जा का सिर्फ 5 प्रतिशत चीनी से आना चाहिए। वहीं, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ न्यूट्रिशन के मुताबिक 2 साल तक के बच्चों के भोजन में अतिरिक्त चीनी नहीं होना चाहिए।पत्र के मुताबिक शक्कर की जगह मिठास के लिए गुड़ का प्रयोग करें। गुड़ भी कुल पोषक तत्वों का 5त्न से अधिक नहीं होना चाहिए।

ड्यूटी पर समय से नहीं पहुंचे कई डॉक्टर, जताई नाराजगी

भोपाल (एजेंसी)। सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने रविवार रात संत हिरदाराम नगर के सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया गया। रात 8ः30 बजे अस्पताल पहुंचकर उन्होंने सबसे पहले ड्यूटी डॉक्टर्स की उपस्थिति की जानकारी ली तो पता चला कि ड्यूटी डॉक्टर पहुंचे नहीं थे और रिलीविंग डॉक्टर नाइट ड्यूटी डॉक्टर के आने से पहले ही अस्पताल से निकल चुके थे। इस पर सीएमएचओ ने नाराजगी जताई। इन चिकित्सकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ ने भर्ती प्रसूताओं से स्वास्थ्य सेवाओं का फीडबैक लिया। साथ ही मरीजों को दिए जा रहे खाने की क्वालिटी को चेक किया गया। डॉ. शर्मा ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अस्पताल अधीक्षक को निर्देश दिए कि अस्पताल में साफ-सफाई का निरीक्षण प्रतिदिन किया जाए।

भोपाल मेमोरियल अस्पताल में शुरू हुई जीरो बिल सुविधा

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल मेमोरियल अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र में कोई मरीज इलाज से वंचित नहीं रहेगा। भोपाल मेमोरियल अस्पताल ने जीरो बिल नीति लागू कर दी है। जिसके तहत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले कार्डधारकों और आर्थिक रूप से असहाय मरीजों को पूरी तरह मुफ्त इलाज मिलेगा। इसके अलावा इमरजेंसी में आने वाले किसी भी मरीज के लिए पहले 24 घंटे की चिकित्सा सेवाएं भी फ्री रहेंगी। बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद से अनुमति मिलने के बाद इस संबंध में सोमवार को आधिकारिक आदेश जारी कर दिए हैं। यह फैसला उन हजारों मरीजों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा जो आर्थिक तंगी के कारण अक्सर बेहतर इलाज से वंचित रह जाते थे। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि अब तक बीपील कार्ड धारकों से केवल 10 रुपए का पंजीयन शुल्क लिया जाता था। वार्ड में भर्ती होने पर कोई शुल्क नहीं लगता था। हालांकि, जांच, ऑपरेशन और अन्य चिकित्सकीय सेवाओं के लिए उनसे शुल्क लिया जाता था। लेकिन, नई जीरो बिल नीति के लागू होने से बीपीएल मरीजों को सभी चिकित्सकीय सेवाएं, चाहे वह पंजीयन हो, जांच हो, ऑपरेशन हो बिना किसी शुल्क के मुहैया कराई जाएंगी। यह नीति सिर्फ बीपील कार्डधारकों तक ही सीमित नहीं है। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा, यदि कोई मरीज बीपील कार्ड प्रस्तुत नहीं कर पाता है, लेकिन वह वास्तव में निर्धन और असहाय है, तो उसकी स्थिति की जांच के बाद उसके इलाज पर आने वाला खर्च भी माफ किया जा सकता है।

बिजली कंपनी ने जारी किए गलत बिल, 3 मामलों में फोरम ने लगाया 42 हजार रुपए का हर्जाना

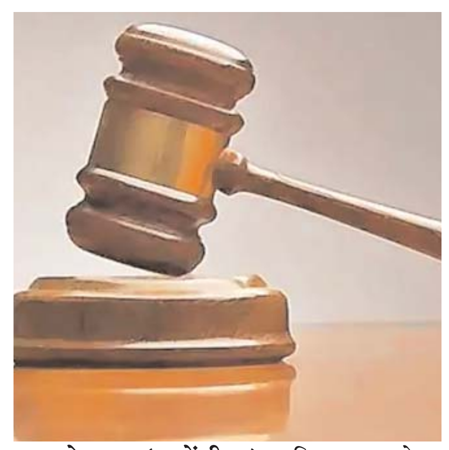

भोपाल (एजेंसी)। जिला उपभोक्ता फोरम भोपाल ने मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी के खिलाफ 3 मामलों में फैसला सुनाया है। इनमें से दो मामले ज्यादा बिजली बिल आने के हैं। वहीं, एक मामला नया बिजली मीटर लगाने के लिए पैसे लेने के बाद भी मीटर नहीं लगाए जाने का है। इन तीनों मामलों में बिजली मामलों में उपभोक्ता फोरम की बेंच-2 ने फैसला सुनाते हुए बिजली कंपनी पर कुल 42 हजार 956 रुपए का हर्जाना लगाया है। इसके अलावा 42 हजार 872 रुपए के गलत बिल को निरस्त किया गया है।

पहला मामल-गलत बिल निरस्त , 10 हजार का हर्जाना

शंकर नगर करोंद की रहने वाली गिरजा सक्सेना ने 2017 में बिजली कनेक्शन लिया था। अक्टूबर 2019 में 42 हजार 872 रुपए बिल आ गया। बिजली कंपनी में शिकायत करने पर उनके घर का ?मीटर निकाल लिया और जांच के लिए भेज दिया। फोरम ने बिजली बिल की अधिक मांग 42 हजार 872 रुपए को निरस्त कर दिया और 10 हजार का हर्जाना लगाया।

दूसरा मामला-बना दिया 1200 रुपए अधिक का बिल

शांति एन्क्लेव, हुजूर के रहने वाले नीलेश जोशी का अप्रैल 2022 में बिल 130 यूनिट के साथ 231 रुपए आया था। 17 मई को 173 रीडिंग के साथ 1480 रुपए का बिल मिला। उनका कहना था कि मई में सिर्फ 43 यूनिट खपत बढ़ने से बिल में 1200 रुपए का अंतर कैसे आ गया। फोरम ने बिजली कंपनी को मीटर बदलने के आदेश दिए, और 15 हजार रुपए हर्जाना लगाया।

डीजीपी के निर्देश के बाद प्रदेशभर में सक्रिय रहे अफसर

भोपाल (एजेंसी)। मप्र के थानों में अचानक पहुंचे अपने आला अफसरों को देखकर दरमियानी रात थाना स्टाफ में हड़कंप मच गया। प्रदेश के सभी एडीजी-आईजी जोन, पुलिस कमिश्नर, डीआईजी रेंज, एसपी, एएसपी, सीएसपी और एसडीओपी रातभर थाने-थाने घूमकर औचक निरीक्षण कर रहे थे। रात 12 बजे से सुबह 5 बजे के बीच अफसरों ने 565 थानों का निरीक्षण किया।

अफसरों ने बेसिक पुलिसिंग के सभी पैमानों पर थाना प्रभारियों या प्रभारियों से जानकारी ली। साथ ही नए कानूनों के साथ शुरू हुई नई व्यवस्था जैसे ई-साक्ष्य एप्लीकेशन का इस्तेमाल और ई-समन की तामीली को भी परखा गया। ज्यादातर आईजी-एसपी स्तर के अफसरों ने थानों में हिस्ट्रीशीटर और गुंडों की चेकिंग का रजिस्टर देखने के साथ-साथ उनकी गुजर-बसर कैसे चल रही है, इसका भी ब्यौरा जुटाया। अब

सभी अफसर अपनी-अपनी रिपोर्ट बनाकर पुलिस मुख्यालय को भेजेंगे। डीजीपी कैलाश मकवाणा ने शनिवार रात में सभी फील्ड अफसरों को औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए थे। इसका मकसद जिलों में मजबूत कानून व्यवस्था बनाए रखना था। साथ ही रात के वक्त थानों में तैनात स्टाफ की उपस्थिति और माइक्रो बीट प्रणाली के तहत उनकी वर्किंग परखना भी रहा। अफसरों ने थानों का मालखाना, हथियार और बलवा ड्रिल किस स्थिति में रखे हैं।

संघ देगा संदेश-अपना सांस्कृतिक आधार और हिन्दू चरित्र खोए बिना जिएं आधुनिक जीवन

भोपाल (एजेंसी)। इस साल विजयादशमी पर अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष मनाने की तैयारियों में जुटे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यकर्ता संघ के कामों को लेकर हर बस्ती तक पहुंचने के प्रयास करेंगे। विजयादशमी पर होने वाले उत्सव में इस बार मंडल और खंड स्तर तक भी संचलन निकालने की योजना है। सभी मंडलों और बस्तियों में हिन्दू सम्मेलन आयोजित कर एकता और सद्भाव का संदेश दिया जाएगा। भोपाल स्थित शारदा विहार में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मध्य भारत प्रान्त की प्रान्त बैठक में यह शताब्दी वर्ष के सम्बन्ध में की जा रही तैयारियों की जानकारी प्रान्त कार्यवाह हेमंत सेठिया ने दी। प्रान्त संघचालक अशोक पांडेय एवं सह-प्रान्त संघचालक डॉ. राजेश सेठी भी मौजूद थे। सेठिया ने कहा कि शताब्दी वर्ष कार्य विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण पर केंद्रित होगा। खंड/नगर स्तर पर सामाजिक सद्भाव की बैठकों का उद्देश्य सांस्कृतिक आधार और हिन्दू चरित्र खोए बिना आधुनिक जीवन जीने का संदेश देना होगा। आयोजन में जानकारी साझा की गई कि पिछले साल प्रांत में कुल 3072 शाखाएं लग रही थीं, जो अब बढ़कर 3674 हो गयी हैं।

सर्प-दंश से बचाव के लिए जिलों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी

भोपाल (एजेंसी)। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गृह विभाग ने वर्षाकाल के दृष्टिगत सर्पदंश की घटनाओं के नियंत्रण एवं बेहतर प्रबंधन के लिए सभी जिलों के कलेक्टर को आवश्यक तैयारी एवं जन जागरूकता सुनिश्चित करने के लिये निर्देश जारी किये हैं। सर्प-दंश स्थानीय आपदा घोषित है, इसके प्रभावी प्रबंधन के लिए हर ज़िले के लिए 23.17 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। इस राशि का उपयोग प्रशिक्षण, जन-जागरूकता, मॉक ड्रिल, उपकरण की व्यवस्था और प्रचार-प्रसार जैसे कार्यों में किया जाएगा। वर्षा ॠतु में सांपों के प्राकृतिक आवासों में जलभराव हो जाने से वे मानव बस्तियों की ओर आ जाते हैं, जिससे सर्प-

दंश की घटनाएं बढ़ जाती हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों, खेतों, नदी किनारे एवं बस्तियों की परिधियों में यह खतरा अधिक होता है। उक्त के प्रति लोगों में जागरूकता लाना, तथा प्रशासनिक सतर्कता बढ़ाना अति आवश्यक है। सभी जिलों को निर्देशित किया गया है कि वे पंचायत एवं शहरी वार्ड स्तर पर जागरूकता अभियान संचालित करें। स्कूलों, आंगनबाड़ियों और सामुदायिक स्थलों पर जागरूकता सत्र आयोजित हों। सोशल मीडिया, रेडियो, दीवार लेखन, बैनर-पोस्टर एवं लोक-प्रदर्शन (नुक्कड़ नाटक आदि) के माध्यम से सूचना का व्यापक प्रसार किया जाए। निर्देशों में कहा गया है कि सर्पदंश के प्रति संवेदनशील इलाकों में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर 'सर्प मित्र', सिविल डिफेंस वालंटियर्स एवं स्नेक-कैचर्स की टीम बनाई जाए। शासन द्वारा यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि सभी जिलों में 'स्नेक-कैचर्स' और 'सर्प मित्रों' का विस्तृत डाटाबेस तैयार कर, उन्हें पंचायत/वार्ड स्तर पर नियुक्त किया जाए। सर्प मित्रों के हेल्पलाइन नंबर जारी कर व्यापक प्रचार भी किया जाए। इन मित्रों को स्नेक रेस्क्यू किट, फर्स्ट एड किट एवं आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, जिससे वे सर्पदंश की स्थिति में त्वरित और सुरक्षित बचाव कार्य कर सकें।

जनभागीदारी से जल संरक्षण के तेजी से हो रहे है काम

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में 30 मार्च से शुरू हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच गये हैं। जिलों में अब इन कार्यों की समीक्षा की जा रही है। इसी के साथ तालाब गहरीकरण, सोखता गड्ढ़ों का निर्माण सहित अन्य कार्य जनभागीदारी से तेज गति से किये जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जल संचयन के कामों के प्रति जनसामान्य को दीवार लेखन सहित अन्य गतिविधियों से जागरूक किया जा रहा है। प्रदेश में आगामी वर्षा के मौसम को देखते हुए जल स्त्रोतों के आस-पास व्यापक पौधरोपण की योजना भी तैयार की गई है। पांढुरना जिले में कलेक्टर श्री अजय देव शर्मा के निर्देश पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के नेतृत्व में गांव-गांव में जल चौपाल का शुभारंभ पौधरोपण से किया गया एवं पर्यावरण

संरक्षण की शपथ दिलाई गई। दीवार लेखन का कार्य भी किया गया। जल चौपाल में ग्रामीणों के बीच बैठकर कार्यकर्ताओं द्वारा उनको जल स्त्रोतों के आस-पास निरंतर साफ-सफाई रखने की समझाइश दी गई। जिले में तैयार की गई पौधरोपण की कार्ययोजना पर भी जानकारी दी गई। जनसमुदाय को क्षेत्र के आस-पास की ऐतिहासिक बावड़ी की जानकारी भी दी गई। रतलाम जिले में कलेक्टर कार्यालय में जल संवर्धन अभियान में अब तक किये गये कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री राजेश बाथम ने अभियान में चल रहे कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जल संवर्धन एवं संरक्षण के लिए अब तक जो भी काम किए गए हैं उनकी जानकारी गूगल सीट में अपडेट करें। जिले में जल संवर्धन के लिए अब तक बनाई गई सभी वाटर बॉडी की जियो टैगिंग अनिवार्य रूप से की जाये। बैठक में स्कूल भवनों, अस्पताल, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर, आँगनबाड़ी भवनों, पंचायत भवनों में बनाये गए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की जानकारी दी गई। जल संवर्धन अभियान की समीक्षा के दौरान जल संसाधन विभाग को निर्देशित किया कि जलशक्ति केन्द्रों का निरीक्षण कर जानकारी उपलब्ध करवाई जाये।

पीएचई विभाग को निर्देश दिये गये कि आँगनबाड़ी केंद्र एवं स्कूलों में हैण्डपम्प के पास जल संवर्धन के लिए बनाये जा रहे रीचार्ज पिट को शीघ्र पूरा किया जाये। शहडोल कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने संभाग के तीनों जिलों में चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के सभी कार्य बरसात के पहले पूरा करने के निर्देश दिये हैं।

बाघों के लिए कान्हा देश में नंबर-1... दूसरे पर पेंच

भोपाल (एजेंसी)। देश में बाघों के लिए मप्र का कान्हा टाइगर रिजर्व सबसे आदर्श निवास है, जबकि दूसरे पर यहीं का पेंच टाइगर रिजर्व है। भारतीय वन्य जीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) देहरादून की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, कान्हा में शाकाहारी वन्य जीवों चीतल, सांभर, गौर, जंगली सुअर और बार्किंग डियर की संख्या और घनत्व देश में सबसे अधिक है। यही वजह है कि बाघों की स्थायी और बढ़ती आबादी के लिए यह देश का सर्वश्रेष्ठ टाइगर रिजर्व घोषित किया गया है।

रिपोर्ट में देशभर के उन 8 टाइगर रिजर्व को शॉर्टलिस्ट किया गया, जहां प्रति वर्ग किलोमीटर 50 या उससे ज्यादा शाकाहारी जीव मौजूद हैं। टॉप दो में दोनों स्थान मध्यप्रदेश के हिस्से आए- कान्हा पहले और पेंच दूसरे स्थान पर। 2023 की गणना के मुताबिक कान्हा में 105 और पेंच में 77 बाघ थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य के वन अभयारण्यों के संरक्षण और विकास को

अब राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिल रही है।

कान्हा टाइगर रिजर्व में शाकाहारी जीवों की कुल संख्या 1,02,485 पाई गई है। यहां इनका घनत्व प्रति वर्ग किमी 69.86 प्रतिशत आंका गया है। वहीं, पेंच रिजर्व में 81,594 शाकाहारी जीव दर्ज किए गए, जिनका घनत्व 94.22त्न रहा। बांधवगढ़ में यह संख्या 74,838 है, जिसका घनत्व 55.15 प्रतिशत है। डब्ल्यूआईआई ने इन आंकड़ों को आधार बनाते हुए यह रिपोर्ट जारी की है।

भोपाल में सरकारी लग्जरी ओल्ड एज होम, 49 हजार/माह किराया

भोपाल (एजेंसी)। वृद्धाश्रम... ये नाम सुनकर मन में जो छवि उभरती है...उसे अब भूल जाइए। आज हम जिसकी बात कर रहे हैं, उसे वृद्धाश्रम कहना भी सही नहीं होगा। क्योंकि ये वृद्धाश्रम के तयशुदा ढांचे से अलग है। ये है पेड लग्जरी ओल्ड एज होम। यहां एसी कॉटेज हैं... घूमने के लिए पार्क हैं.. पढ़ने का शौक रखने वालों के लिए लाइब्रेरी है और 24 घंटे वाईफाई कनेक्टिविटी भी है। ... और सबसे बड़ी बात, ये बुजुर्गों को च्वाइस देता है, कि वे खुद अपने लिए रेसीडेंस चुन सकते हैं। यहां मासिक किराया निर्धारित है, जिसे अदा कर वे आजादी, सम्मान और सुरक्षा के साथ रह सकते हैं। इस ओल्ड एज होम में 24 कॉटेज में 34 रूम हैं। इनमें 12 सिंगल व 22 डबल बेड रूम हैं। सिंगल कॉटेज का किराया 48,995 और शेयरिंग कॉटेज का किराया 40995 रुपए प्रति माह है। 6लिंक रोड-3 के पत्रकार कॉलोनी स्थित इस वृद्धाश्रम में वातानुकूलित कमरे। 624×7 डॉक्टर, नर्स और मेडिकल स्टाफ। 6न्यूरोथैरेपी, फिजियोथैरेपी और एम्बुलेंस सुविधा भी। 6हर कॉटेज में अटैच आधुनिक किचन और बाथरूम। 6मेडिटेशन, पूजा और योग के लिए कक्ष। 6मनोरंजन व पुस्तकालय की व्यवस्था। 6परिसर में 4 बड़े पार्क, वॉकिंग ट्रैक और मेस (भोजनालय)।

आईटीआई मऊगंज में 20 जून को

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। युवा संगम कार्यक्रम के तहत सतपुड़ा आईटीआई मऊगंज में 22 जून को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 6 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा (18-48 वर्ष) तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते 8500 रुपए से 33 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा।

उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में विजन इंडिया सर्विसेस, शक्ति पंप इंडिया लि. पीथमपुर धार, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा, एचडीएफसी लाइफ इश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा, प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा तथा महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा पुणे महाराष्ट्र की कंपनियां भी शामिल होंगी।

खेल पुरस्कार के आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एकलव्य, विक्रम, विश्वामित्र, प्रभाष जोशी एवं लाइफटाईम एचीवमेंट पुरस्कार हेतु आनलाइन आवेदन 31 जुलाई तक आमंत्रित किये गये है। पुरस्कार खेल और युवा कल्याण विभाग के अनुसार विगत 5 वर्षों में अर्जित खेल उपलब्धियों के आधार पर पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। साहसिक खेल (समुद्र, जमीन एवं वायु आधारित) हेतु भी विक्रम एकलव्य पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। संभागीय खेल और युवा कल्याण अधिकारी एम.के. धौलपुरी ने बताया कि पुरस्कार हेतु पात्रता, पुरस्कार राशि व अन्य शर्त विभागीय व ` ब स ा इ ट www.dsyw.mp.gov.in पर उपलब्ध है। आवेदक विभागीय बेवसाइट पर दी गई लिंक से या सीधे https://anudan.dsywmp.gov.in तथा प्ले स्टोर से खेल और युवा कल्याण के anudan app dowload कर के भी आनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

मऊगंज जिले के 13 पटवारी स्थानांतरित

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। प्रभारी मंत्री के अनुमोदन के उपरांत मऊगंज जिले के 13 पटवारियों का स्थानांतरण किया गया है। संयुक्त कलेक्टर से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानांतरित पटवारियों को तत्काल भारतमुक्त किया जायेगा तथा उनका किसी भी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं होगा। आदेश का पालन नहीं करने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

जनसुनवाई में वरहदी ग्राम वासियों ने शासकीय रास्ते से अतिक्रमण हटाने का दिया आवेदन

अनुसूचित जाति बस्ती मढ़ी धवैया को मुख्य सड़क से जोड़ने की स्थानीय जनों ने मांग की

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनसुनवाई में कलेक्टर कार्यालय में विभिन्न विभागों से संबंधित 83 प्रकरणों की सुनवाई की गई। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी एवं संयुक्त कलेक्टर पी.के. पाण्डेय ने आवेदकों की समस्यायें सुनीं तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया।

जनसुनवाई में वरहदी ग्रामवासियों ने शासकीय रास्ते से अतिक्रमण हटाकर पक्की सड़क निर्माण का आवेदन दिया जिसे तहसीलदार रायपुर कर्चुलियान को कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया जबकि अनुसूचित जाति बस्ती मढ़ी धवैया को मेन रोड से जोड़ने के आवेदन पर तहसीलदार मनगवां को कार्यवाही के लिये निर्देशित किया गया। कमलेन्द्र कुमार मानव करहिया, मुद्रिका प्रसाद बहेलिया निवासी गोविंदगढ़, गणेशिया निवासी रामपुरवा तथा बृजेन्द्रनाथ शुक्ला टटिहरा निवासी के सीमांकन एवं महेश प्रसाद तिवारी के विद्युत मंडल के अधिकारी द्वारा जबरन प्रकरण बनाने के आवेदनों को संबंधित तहसीलदार को कार्यवाही करने के लिये निर्देश दिये गये। सुहानी कुशवाहा बाणसागर कालोनी रीवा के नामांतरण करने के आवेदन पर नायब तहसीलदार हुजूर को, गंगतीरा निवासी रामसजीवन के स्वामित्व भूमि से अवैध कब्जा हटाने के आवेदन को एसडीएम त्योंथर को तथा पहड़िया निवासी रामकुमार सिंह के बेदखली आदेश का पालन कराने के आवेदन को तहसीलदार गोविंदगढ़ को कार्यवाही किये जाने हेतु प्रेषित किया गया। इसी प्रकार गया प्रसाद तिवारी लोही निवासी के अनुपयोगी जर्जर कूप को बंद करने के आवेदन को सीईओ जनपद रीवा को, गाढ़ा-137 निवासी रासुमेर कोल के जमीन से जबरन कब्जा कर घर बनाने के आवेदन को तहसीलदार जवा को तथा गुढ़ निवासी फूलमती साकेत के अवैध कब्जा कर मकान निर्माण करने पर रोक लगाये जाने के आवेदन को तहसीलदार गुढ़ को समाधानकारक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

जनसुनवाई में 46 आवेदकों की सुनी समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। कलेक्ट्रेट कार्यालय मऊगंज में आयोजित जनसुनवाई में 46 आवेदन प्राप्त हुए। संयुक्त कलेक्टर राजेश मेहता ने आवेदकों की समस्यायें सुनी तथा त्वरित कार्रवाई के लिए उन्हें संबंधित विभागों को सौंपा। ग्राम रामपुर, जनपद नईगढ़ी निवासी सोने लाल साकेत ने जनसुनवाई में दिए आवेदन में बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पहली किस्त मिल चुकी है और उन्होंने अपनी जमा पूंजी लगाकर छत लेवल तक मकान निर्माण पूरा कर लिया है। लेकिन पंचायत सचिव द्वारा जानबूझकर दूसरी किस्त रोक दी गई है। मऊगंज वार्ड क्रमांक 2 निवासी सुमन शुक्ला ने तहसील कार्यालय में पदस्थ लिपिक पर आरोप लगाते हुए आवेदन दिया। इसी प्रकार विभिन्न विभागों से संबंधित अन्य शिकायतें प्राप्त हुई।

इंडो न्यूक्लियर एथेनॉल प्लांट के खिलाफ एक बार फिर ग्रामीणों का हल्ला बोल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मझगवां ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत देवलहा के उमरिहा हल्का में स्थापित इंडो न्यूक्लियर एथेनॉल प्लांट की मनमानी और पर्यावरणीय प्रदूषण के खिलाफ कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव आशुतोष द्विवेदी के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों ने प्लांट के खिलाफ 5 सूत्री मांगों का ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा था एवं चेतावनी दी थी कि अगर 15 दिनों में मांगें पूरी नहीं हुईं, तो आगामी दिनों में फैक्ट्री गेट पर आमरण अनशन और धरना-प्रदर्शन शुरू होगा जिसपर आज करीब 17 दिवस बीत जाने पर कांग्रेस नेता आशुतोष द्विवेदी ने वीडियो बयान जारी कर किसी भी तरह की कार्यवाही न होने पर आगामी 1 जुलाई से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू किए जाने की चेतावनी दी है।

ग्रामीणों की नाराजगी: 16 जून 2025 को हुए सांकेतिक धरना-प्रदर्शन के बाद जिला प्रशासन और फैक्ट्री प्रबंधन को 15 दिन का अल्टीमेटम दिया गया था, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि कोई कार्रवाई नहीं हुई। पटना बांध के पानी का फैक्ट्री द्वारा अंधाधुंध दोहन, पर्यावरणीय प्रदूषण, और स्थानीय युवाओं को रोजगार न मिलना जैसे मुद्दों ने ग्रामीणों का बेचैन कर रखा है। आशुतोष द्विवेदी ने वीडियो जारी कर प्रशासन को दो टूक चेतावनी दी "हमारी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो फैक्ट्री गेट पर भूख हड़ताल शुरू होगी!

ये हैं 5 सूत्रीय मांगें: पटना बांध के पानी का दुरुपयोग रोका जाए, बांध का पानी किसानों के लिए है, फैक्ट्री के लिए नहीं। प्रदूषण पर नियंत्रण, फैक्ट्री से निकलने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए नियंत्रण यंत्र लगाए जाएं। 70-40-30% अनुपात में क्षेत्र के युवाओं को रोजगार दिया जाए।चेक डैम हादसे की जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो।प्रबंधन अपनी कार्यशैली में सुधार करे और ग्रामीणों के हितों का ध्यान रखे। आशुतोष द्विवेदी का अल्टीमेटम आशुतोष द्विवेदी ने कहा, "17 दिन बीत गए, लेकिन न प्रशासन ने ध्यान दिया, न फैक्ट्री प्रबंधन ने अपनी हरकतें सुधारी। हमारी मांगें जायज हैं, और अगर अब भी अनसुना किया गया, तो 1 जुलाई से फैक्ट्री गेट पर भूख हड़ताल शुरू होगी। बता दें कि ग्रामीणों का गुस्सा इस बात को लेकर भी है कि उनकी शिकायतों पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि फैक्ट्री की लापरवाही ने उनकी खेती, पानी, और रोजगार के अवसर छीन लिए हैं। अब देखना यह है कि क्या जिला प्रशासन और इंडो न्यूक्लियर एथेनॉल प्लांट समय रहते कोई ठोस कदम उठाते हैं, या फिर 1 जुलाई से एक बड़ा आंदोलन शुरू होगा।

सेमरिया में हुआ योगाभ्यास कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विश्व योग दिवस 21 जून को मनाया जायेगा। विश्व योग दिवस में जनजागरण और सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने के लिए आयुष विभाग द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया में योग चेतना रैली और योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित किया गया। करें योग रहें निरोग, योग अपनाओ तन-मन को स्वस्थ बनाओ के नारे के साथ योग चेतना रैली ने नगर भ्रमण किया। योगाभ्यास कार्यक्रम में उपस्थित जन समूह को आयुष विभाग द्वारा निर्धारित कॉमन प्रोटोकॉल अंतर्गत योगाभ्यास कराया गया। कार्यक्रम के संयोजक और आयुष चिकित्सा अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि 21 जून को सुबह साढ़े छः बजे योग संगम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें ज्यादा से ज्यादा लोग शामिल हो। समय के साथ बदलती जीवनशैली और खान-पान से कम उम्र में हो रही बीपी, डायबिटीज, कैंसर और फैटी लीवर जैसी गंभीर बीमारियों से बचने के लिए योग करना बेहद आवश्यक है। कार्यक्रम में डॉ के.के. त्रिपाठी, डॉ व्योमकेश शुक्ल, नीरज द्विवेदी, स्वाति सिंह, जितेंद्र सोधिंया सहित बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

मिट्टी के पोषक तत्व और गुण बताता है मृदा स्वास्थ्य कार्ड

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत सरकार द्वारा स्वाइल हेल्थ कार्ड यानी मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत किसान सिंचित क्षेत्र में 2.5 एकड़ तथा असिंचित क्षेत्र में 10 एकड़ क्षेत्र से मिट्टी का नमूना लेकर उसकी जाँच कराते हैं। यह जाँच कृषि विभाग द्वारा की जाती है। कृषि विभाग द्वारा मिट्टी के नमूने लिए जाने पर इसकी जाँच पूरी तरह से निःशुल्क रहती है। यदि किसान स्वयं सेंपल लेकर जाता है तो मिट्टी के नमूने की जाँच के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जाति के किसान को तीन रुपए तथा सामान्य वर्ग के किसान को पाँच रुपए प्रति नमूना शुल्क देना होता है। मिट्टी में माइक्रो न्यूट्रेंट की जाँच कराने के लिए अनुसूचित जाति और जनजाति के किसानों को 30 रुपए तथा सामान्य वर्ग के किसानों को 40 रुपए शुल्क देना होता है।

मृदा स्वास्थ्य कार्ड से किसान को उसके खेती की मिट्टी के गुणों तथा पोषक तत्वों की जानकारी मिलती है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि मिट्टी के पोषक तत्व के आधार पर किसान को उचित फसल की सलाह दी जाती है। मिट्टी में यदि पोषक तत्व की कमी है तो उसके अनुरूप उर्वरक के उपयोग का सुझाव दिया जाता है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसान के खेत की मिट्टी का रिपोर्ट कार्ड है। इस कार्ड में किसान का नाम, सर्वे नम्बर, खेत का रकबा आदि लिखा रहता है। प्रत्येक तीन साल में मिट्टी की जाँच कराकर मृदा स्वास्थ्य कार्ड में दर्ज कराना आवश्यक है। हर किसान अपने प्रत्येक खेत की मिट्टी की जाँच कराकर मृदा स्वास्थ्य कार्ड अवश्य बनवाएं। इससे सही फसल के चयन, खाद के संतुलित उपयोग और जल प्रदूषण से बचाव में सहायता मिलती है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रत्येक किसान के लिए बहुत उपयोगी है।

त्योंथर विधायक की जनसुनवाई में लगा ग्रामीणों का तांता, विद्युत विभाग की शिकायत आई सबसे ज्यादा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। त्यौंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज ने विश्राम गृह त्योंथर में प्रति मंगलवार को जनसुनवाई की जा रही वही इसी क्रम में आज मंगलवार को श्री तिवारी जी के द्वारा उन् आमजन की प्रत्येक समस्या को सुना और अधिकारियों को इनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान विधायक सिद्धार्थ तिवारी के पास त्यौंथर,चाकघाट , कटरा और रायपुर सोनौरी इलाके के विभिन्न गांव के ग्रामीण जनसुनवाई में पहुंचकर लचर विद्युत व्यवस्था की शिकायत की वही विभिन्न गांव से आए ग्रामीणों का कहना है चाकघाट और त्योंथर नगर परिषद को छोड़कर ग्रामीण इलाकों की विद्युत सप्लाई पर ग्रहण सा लग गया है दिन तो किसी कदर कट जाता हैं पर रात अंधेरे में कटती है वो भी मोमबती के सहारे वही ग्रामीणों के शिकायत के बाद त्योंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने विद्युत विभाग के कार्यप्रणाली पर नाराजगी व्यक्त की साथ ही विद्युत व्यवस्था सही करने की निर्देश दिए त्यौंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण को सूचीबद्ध करने के साथ ही उनका फॉलोअप सुनिश्चित करने और संबंधित व्यक्ति को सूचित करने के लिए भी निर्देशित किया।इस अवसर विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज ने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व हम सब जवाबदेहिता सुनिश्चित करते हुए आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सुशासन के प्रयासों से आमजन को शासन की योजनाओं और सेवाओं को सहज रूप से उपलब्ध कराने के लिये निरंतर कार्य किया जा रहा है।इस अवसर पर एसडीएम संजय जैन, सीईओ प्रवीण , सहायक अभियंता विद्युत विभाग उमाशंकर द्विवेदी, सामाजिक सुरक्षा विस्तार अधिकारी अरविंद तिवारी, कनिष्ठ अभियंता पीयूष चतुर्वेदी सहित विभिन्न विभागों समेत बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित भी रहे।

डॉ आशीष पाण्डेय का एक और हुआ पेटेंट ग्रांट

"सौर पवन प्रभाव विश्लेषक उपकरण" टॉपिक पर हुआ शोध

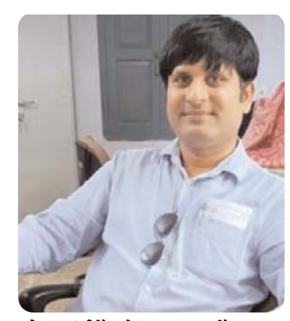

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के शोधार्थी रहे डॉ आशीष पाण्डेय का लगातार दूसरा पेटेंट ग्रांट भौतिकी के "सौर पवन प्रभाव विश्लेषक उपकरण" पर हुआ।जैसा की विदित हो की डॉ पाण्डेय देश के जानेमाने वैज्ञानिक भौतिक विद एपीएस विश्वविद्यालय के पूर्व विभाग प्रमुख प्रोफेसर ए पी मिश्रा के रिसर्च स्कॉलर रहें है ये वर्क डॉ श्याम सिंह राठौर चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के साथ मिलकर किया है,डॉ श्याम भी प्रोफेसर ए पी मिश्रा के स्कॉलर रहें है।डॉ आशीष पाण्डेय ने बताया की

सौर पवन वेग(आमतौर पर 300-800 किमी/सेकंड), प्रोटॉन घनत्व(कण प्रति घन सेंटीमीटर), अंतरग्रहीय चुंबकीय क्षेत्र दिशा और तीव्रता, भू-चुंबकीय तूफान संकेतक, जीपीएस व्यवधानों के लिए कुल इलेक्ट्रॉन सामग्री, ऑरोरा वॉच स्तर की भविष्यवाणी, अंतरिक्ष यान चार्जिंग जोखिम अनुमान पर वर्क किया गया है साथ ही बताया की सौर पवन प्रभाव विश्लेषक उपकरण एक कॉम्पैक्ट,बुद्धिमान उपकरण प्लेटफ़ॉर्म है जो लगातार सौर पवन मापदंडों की निगरानी करता है और स्थलीय और पृथ्वी के निकट प्रणालियों पर उनके प्रभाव का मूल्यांकन करता है।यह अंतरिक्ष मौसम अनुसंधान,प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों और उपग्रह संचालन सुरक्षा के लिए विशेष रूप से उपयोगी है।डॉ आशीष पाण्डेय ने इसके लिए अपने मार्गदर्शक गुरु प्रोफेसर ए पी मिश्रा,कुलगुरू प्रोफेसर राजेंद्र कोररिया, कुलसचिव डॉ सुरेंद्र परिहार,डॉ सी एम तिवारी,डॉ अतुल तिवारी,डॉ आर के तिवारी,डॉ कमलेश गौतम,डॉ अनुराग मिश्रा,डॉ विजय मिश्रा,डॉ श्रवण पाण्डेय,डॉ भूपेंद्र तिवारी आदि का आभार व्यक्त किया है जिनकी लगातार प्रेरणा से ये कार्य संभव हो पाया ये रीवा सहित विंध्याचल के युवाओं के लिए प्रेरणा का काम करेगा।डॉ पाण्डेय वर्तमान में अतिथि विद्वान के पद में शासकीय न्यू साइंस कॉलेज में पदस्त है।

सिन्धु सभा ने मनाया सिन्धू नरेश राजा दाहिरसेन का बलिदान दिवस

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक संस्था भारतीय सिन्धू सभा सतना शाखा के तत्वाधान में वीर शिरोमणि सिंधू नरेश राजा दाहिरसेन के 1313वे बलिदान दिवस पर आज दिनांक 16 जून को संस्था अध्यक्ष श्री अशोक चांदवानी की अध्यक्षता में विचार संगोष्ठी कंवर नगर सिन्धी कॉलोनी स्थित अमर शहीद हेमू कालानी पार्क परिसर में बाबा मेहरशाह योगा केंद्र में आयोजित की गई। उकताशय की जानकारी देते हुए प्रदेश मंत्री युवा शाखा श्री देवेंद्र सतवानी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सिन्धु नरेश राजा दाहिर सेन की प्रतिमा पर मंचासीन अतिथियो द्वारा माल्यर्पण एवं पुष्पवर्षा करके दीप धूप प्रज्वलित करके उनकी जीवनी पर विस्तार से चर्चा की गई इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री विजय जग्यासी मंत्री इंद्र लाल कापड़ी अशोक वाधवानी ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये कार्यक्रम का सफल संचालन देवेंद्र सतवानी एवम आभार रंजीत सेनानी द्वारा व्यक्त किया गया

इस अवसर पर श्री विजय जग्यासी अशोक आहूजा संजय आहूजा राजू बजाज अशोक वाधवानी बंसी नागदेव अशोक चांदवानी रंजीत सेनानी इंद्र कापड़ी शंकर सेनानी किशोर पारवानी नारायणदास गुलाबी एवं कई सम्मानिय सदस्यगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड को पर्यावरण उत्कृष्टता हेतु "24वां ग्लोबल ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार 2025"

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड (सीमेंट डिवीजन) को पर्यावरण प्र बंधन एवं सतत विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए "24वां ग्लोबल ग्रीनटेक पर्यावरण उत्कृष्टता 2025" के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण श्रेणी में सम्मानित किया गया। यह सम्मान 12 जून 2025 को नई दिल्ली के रेडिसन ब्लू होटल में आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड की ओर से इस सम्मान को सुश्री अंकिता सिंह परिहार (पर्यावरण विभाग) एवं सुश्री दिव्यांशी मिश्रा (एमआरएम विभाग) ने प्राप्त किया।

इस कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने हेतु भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रियों श्री हरदीप सिंह पुरी, श्री मनोहर लाल खट्टर, श्री भूपेंद्र यादव, श्री कीर्तिवर्धन सिंह, श्री सुरेश गोपी, श्री श्रीपद येसो नाइक एवं श्री जी. किशन रेड्डी को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में वक्ताओं ने सतत विकास और औद्योगिक जिम्मेदारी जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड सीमेंट डिवीजन द्वारा पर्यावरण उत्कृष्टता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मिले इस पुरस्कार पर कंपनी के सी.ई.ओ. राकेश जैन, प्रेसीडेंट एंड प्लांट हेड मनीष सिंह, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट एचआरएम एंड कार्पोरेट अफेयर्स मनीष कुमार सिन्हा ने प्रसन्नता व्यक्त की, साथ ही पर्यावरण विभाग के विभागाध्यक्ष मनोज कुमार कश्यप, सहायक महाप्रबंधक सुमिताभ द्विवेदी, सहायक महाप्रबंधक बिहारी सिंह शेखावत, सहायक प्रबंधक रीमा तिवारी एवं अन्य अधिकारियों को इस उपलब्धि की बधाई दी।

यह पुरस्कार प्रिज्म सीमेंट को जल संरक्षण, ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा, वृक्षारोपण, कार्बन फुटप्रिंट में कमी, प्लास्टिक एवं खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन, और सरकार द्वारा निर्धारित पर्यावरण मानकों के अनुपालन जैसे प्रयासों के लिए प्रदान किया गया। प्रिज्म सीमेंट को

अवार्ड पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत किये गए कार्यों जैसे जल संरक्षण एवं संवर्धन, ग्रीन एनर्जी को अपनाने एवं बढ़ावा देने के लिए, सघन वृक्षारोपण (10 लाख पौधारोपण), कार्बन फुट प्रिंट रिडक्शन, प्लास्टिक एवं हजारडस वेस्ट मैनेजमेंट, सस्टैनिबिल्टी डेवलपमेंट में किये गए सराहनीय कार्यों एवं सरकार द्वारा निर्धारित पर्यावरण मानको के अनुपालन के लिए प्रदान किया गया है।

इस आशय की जानकारी प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के एजीएम (सीएसआर एवं जनसंपर्क) श्री देवेन्द्र मिश्रा ने प्रदान की।

नाली की साफ-सफाई नहीं होने से घरों में घुसा बारिश का गंदा पानी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्वच्छता अभियान एवं साफ सफाई की डींगें मारने वाली नगर निगम पालिक रीवा की जैसे जैसे बारिश हो रही है वैसे वैसे पोल खुलती जा रही है। नगर निगम रीवा अंतर्गत कई वार्डो में नाली की साफ सफाई नही होने से बरसात का पानी या तो घरों में जा रहा है या सड़क पर बह रहा है। जबकि समाजसेवी अविराज ने पहले ही नगरनिगम आयुक्त रीवा को कई बार नाली की साफ सफाई और मरम्मत कार्य कराने के लिए पत्र भी लिखे थे। लेकिन विभागीय उदासीनता के बजह से पत्र पर ध्यान नही दिया गया।

जिसका नतीजा है कि थोड़ी से बारिश होने पर नगरनिगम पालिक रीवा अंतर्गत वार्ड क्रमांक-9 में देखने को मिला। रोड तो पहले से ही जर्जर है जहा पर चलने से बड़े बड़े गड्ढे होने के कारण लोग आए दिन दुर्घटना का शिकार हो ही रहे है। वही दूसरी तरफ़ आज के थोड़ी सी बारिश ने विकास कार्यो की पोल खोल कर रख दी है।

वार्ड वासियों ने बताया कि वार्ड क्रमांक-9 के राजीव मार्ग में न तो चलने योग्य सड़क है न ही नाली की सफाई करायी गयी। जिस कारण आगे नाली जाम होने के बजह से घरों में नाली का पानी भर जाता है।

विचार

एक दूसरे के खून के प्यासे हो रहे ईरान और इजराइल कभी गहरे दोस्त भी थे

ईरान और इजराइल एक दूसरे के खून के प्यासे बने हुए हैं। दोनों के बीच इस समय जो वार-पलटवार चल रहा है उसको देखते हुए ऐसा लगता है कि दुनिया में एक-दूसरे के यही सबसे बड़े दुश्मन देश हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दशकों से एक दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोले हुए ईरान और इजराइल कभी गहरे मित्र भी थे? वैसे ईरान और इजराइल की मित्रता की बात भले कोरी कल्पना लगे लेकिन इतिहास इस दोस्ती का गवाह है। हम आपको बता दें कि 1948 में जब इज़राइल की स्थापना हुई थी तब बहुत से मुस्लिम बहुल देशों ने उसे मान्यता देने से इंकार कर दिया था। लेकिन उस दौर में ईरान एक अपवाद था। यह बात आज के ईरान-इज़राइल संबंधों को देखते हुए चौंकाने वाली लग सकती है, लेकिन 1948 से 1970 के बीच ईरान और इज़राइल के बीच गहरे परन्तु छुपे हुए मैत्री संबंध थे, जो कूटनीति, सैन्य सहयोग और व्यापार पर आधारित थे।

वैसे ईरान ने इज़राइल को उसकी स्थापना के बाद सार्वजनिक रूप से तत्काल मान्यता नहीं दी थी, लेकिन 1950 में इज़राइल को डि-फैक्टो मान्यता दे दी गई थी। इसका मतलब था कि दोनों देशों ने औपचारिक रूप से दूतावास नहीं खोले, लेकिन व्यावसायिक और कूटनीतिक संबंध धीरे-धीरे स्थापित होते रहे। इस मैत्री के पीछे कारण था साम्य हित। दरअसल दोनों की स्थिति उस समय अरब राष्ट्रों से घिरे हुए देशों की थी। यह दोनों अरब देशों के दुश्मन थे इसीलिए इनके बीच एक रणनीतिक साझेदारी की जरूरत महसूस हुई। हम आपको यह भी बता दें कि इज़राइल और उस समय के ईरान के शाह (मोहम्मद रज़ा पहलवी), दोनों ही अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों के करीबी माने जाते थे। यह एक और कारण था जो दोनों देशों को एक-दूसरे के करीब लाया। इसके अलावा, इज़राइल को तेल की ज़रूरत थी, जोकि ईरान के पास भरपूर मात्रा में था। इस साझेदारी के ज़रिए इज़राइल को गुप्त रूप से तेल की आपूर्ति होती रही। इसके बदले में इज़राइल ने ईरान को कृषि, जल प्रबंधन और तकनीकी मदद दी। 1950-70 के दशक में ईरान में शाह मोहम्मद रजा पहलवी की सरकार के दौरान इजराइल ने तेल के बदले ईरान को हथियार भी दिए थे।

इसके अलावा, इज़राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद और ईरान की सवाक के बीच भी घनिष्ठ सहयोग था। मोसाद ने सवाक को खुफिया ट्रेनिंग दी और तकनीकी उपकरण भी उपलब्ध कराए। यह सहयोग विशेष रूप से 1960 के दशक में मजबूत हुआ। साथ ही परियोजना एक गुप्त योजना थी जिसमें इज़राइल और ईरान ने मिलकर मिसाइल टेक्नोलॉजी और सैन्य शोध पर काम किया। साथ ही इज़राइली विशेषज्ञों ने ईरान में कृषि सुधार, सिंचाई प्रणाली और जल प्रबंधन से जुड़ी परियोजनाओं में भी अहम भूमिका निभाई।

हम आपको बता दें कि 1970 के दशक में यह संबंध अपने चरम पर था, लेकिन ईरान में इस्लामी आंदोलन के जोर पकड़ने के साथ इसमें दरार आने लगी। शाह के शासन के खिलाफ जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा था और 1979 की इस्लामी क्रांति इस मैत्री का अंत लेकर आई। शाह मोहम्मद रजा पहलवी को सत्ता से हटाकर आयतुल्ला खामेनेई के नेतृत्व में ईरान में एक धार्मिक सरकार बनते ही इजराइल को दुश्मन घोषित कर दिया गया। इसके साथ ही इजराइल के दूतावास को बंद करके उसे फिलिस्तीनी संगठन पीएलओ को दे दिया गया।

मोदी के बहाने और भागवत कथा के मायने

ओंकारेश्वर पांडेय

एक तरफ जहां देश का गोदी मीडिया खासकर टेलीविजन ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना की बजाय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफों के पुल बांधने में लगा है, वहीं दूसरी तरफ भाजपा के भीतर बैठे कई नेता संघ प्रमुख मोहन भागवत की ओर टकटकी लगाये बैठे हैं, कि वे कब बोलेंगे। वे कम बोलते हैं। पर उनके बोलने से भाजपा हिल जाती है। और जब नहीं बोलते तो उनकी खामोशी बोलती है। हाल ही में संघ प्रमुख ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद हुए ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में जो प्रतिक्रिया दी है, उससे मोदी खेमा निराश है। नागपुर में कार्यकर्ता विकास वर्ग द्वितीय के समापन समारोह को संबोधित करते हुए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने पहलगाम हमले के बाद के घटनाक्रम पर सेना व सरकार की सराहना की। लेकिन अपनी ही पार्टी का नेता होने के बावजूद भागवत ने न तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ज़िक्र किया, न ही ऑपरेशन सिंदूर या सीज़फायर का, और हिंदू समाज की जगह केवल समाज शद का प्रयोग किया।

यह चुप्पी और शब्दों का सावधानीपूर्वक चयन कई सवाल खड़े करता है। मोहन को मोदी का नाम लेने से परहेज क्यों। कारण आगे समझ में आयेंगे। लेकिन पहले बात अनुशासन की। संघ के पूर्व सरसंघचालक एम.एस. गोलवलकर (गुरुजी) कहते थे, व्यक्ति महत्वपूर्ण नहीं है, विचार महत्वपूर्ण है। लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद से मोदी संघ से बड़े ही नहीं बहुत बड़े होते गए। इसलिए भागवत की नाराजगी को समझना जरूरी है।

भागवत ने कहा कि, पहलगाम की कायरतापूर्ण आतंकवादी घटना के पश्चात पाक प्रायोजित आतंकवादियों एवं उनके समर्थक पारितंत्र पर की जा रही निर्णायक कार्रवाई के लिए भारत सरकार के नेतृत्व और सैन्यबलों का हार्दिक अभिनंदन। उन्होंने राजनीतिक दलों व समाज की भी प्रशंसा की, पर साथ ही कहा कि इससे समस्या तो खत्म हुई नहीं। विपक्ष से लेकर रक्षा-राजनय और मीडिया विशेषज्ञ सरकार से सवाल पूछ रहे हैं। कई तो इसे मोदी सरकार का ब्लंडर भी कहने लगे हैं। दुनिया कुछ भी कहे, संघ प्रमुख का कहना मायने रखता है। और तब बहुत रखेगा, जब संघ समय पर निर्णय भी ले। मणिपुर की घटना के एक साल बाद संघ प्रमुख की प्रतिक्रिया आयी और अबतक हल नहीं निकला।

भागवत के इस बयान को केवल ऑफ-हैंड टिप्पणी नहीं माना जा सकता। उनका यह कहना कि संकट बरकरार है और समस्या का समाधान नहीं हुआ, 9 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद भागवत ने देशवासियों से सेना और सरकार का समर्थन करने की अपील की थी, लेकिन अचानक हुए युद्धविराम ने संघ को असमंजस में डाल दिया।

दशकों से भाजपा और संघ परिवार कांग्रेस पर आरोप लगाते रहे हैं कि उसने 1971 सहित कई मौकों पर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर पर कब्जा नहीं किया। तो अब जबकि मोदी सरकार के समय सेना पाकिस्तान को घुटनों पर ला रही थी, तो युद्धविराम क्यों हुआ?

भारतीय सेना के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने एक साक्षात्कार में कहा कि विमानों की संख्या से ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि वे क्यों गिरे। सरकार इन सवालों का जवाब देने से बच रही है। सवाल यह भी है कि जब पीएम मोदी ने 80 से अधिक देशों का दौरा किया, तो इस युद्ध में केवल दो-तीन देशों को छोड़कर कोई साथ क्यों नहीं आया? क्या यह विदेश नीति की नाकामी नहीं? इन मुद्दों पर भागवत का मौन बहुत कुछ कहता है।

भागवत ने इस बार अपने बयान में हिंदू समाज के बजाय समाज शब्द का इस्तेमाल किया। वे पहले भी कह चुके हैं कि मुसलमान भी हिंदू हैं और समाज का हिस्सा हैं।

पहलगाम हमले में आतंकियों द्वारा धर्म पूछकर हत्या के नैरेटिव ने सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की थी। लेकिन कश्मीरी मुसलमानों ने आतंकवाद के खिलाफ रैलियां निकालकर इस नैरेटिव को ध्वस्त कर दिया।

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी ने पहले मुस्लिम दुकानदारों को नेमप्लेट लगाने के आदेश दिये, तो फिर महाकुम्भ में उनके प्रवेश पर रोक भी लगायी। हालांकि मोदी-योगी के नारे, उसी संगम में तब डूब गए, जब कुम्भ के हजारों भगदड़ प्रभावितों को प्रयागराज के मुसलमानों ने अपने घरों में शरण देकर गंगा-जमुनी तहज़ीब का उदाहरण पेश किया।

यूपी में मुसलमानों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट को रोक लगानी पड़ी। मस्जिदों पर तिरपाल, मंदिर खोजने, और औरंगजेब की कब्र खोदने जैसे मुद्दों पर संघ के भैयाजी जोशी को कहना पड़ा कि औरंगजेब यहीं पैदा हुआ और उसकी कब्र यहीं रहेगी।

संघ का मतभेद मोदी या भाजपा से नहीं मोदी की कार्यशैली से है। 2024 के चुनाव में भाजपा ने 400 पार का नारा दिया और विपक्ष को दुश्मन की तरह देखते हुए आक्रामक प्रचार किया। मोदी ने मंगलसूत्र, घुसपैठिए और बंटोगे तो कटोगे जैसे सांप्रदायिक बयान दिए। भागवत समझाते रहे कि विपक्ष का भी सम्मान बराबर है। यह भी कहा कि हिंदुत्व कोई धर्म नहीं, बल्कि जीवन पद्धति है और मुसलमान और ईसाई भी समाज का हिस्सा हैं, लेकिन उनकी आवाजें मोदी के आक्रामक प्रचार के शोर में नक्कारखाने में तूती की तरह दब गयीं।

राम मंदिर के उद्घाटन के मौके पर भी संघ प्रमुख ने राम की मर्यादा और उनके चरित्र को अपनाने की सीख दी थी। भागवत ने एक बार कहा था, एक सच्चा सेवक अहंकारी नहीं होता। संघ अपने शीर्ष नेता को मूल्यों, मर्यादा और अनुशासन की याद दिलाता रहा और मोदी सरकार अपने मन की बात करती रही।

उल्टे मोदी ने 11 साल में पार्टी को स्व-केंद्रित बनाया, पार्टी की बजाय मोदी की गारंटी को बढ़ावा दिया। और इसे चुनाव जीतने के लिए जरूरी बताकर संघ का मुंह बंद रखा। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को जब पूर्ण बहुमत नहीं मिला, तभी से संघ भाजपा के संगठन को मजबूत करने पर जोर दे रहा है। एक और बात संघ को चुभ गईङ्क पिछले लोकसभा चुनाव नतीजों से पहले ही भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने यह कहकर सनसनी मचा दी कि भाजपा अब बड़ी और सक्षम हो चुकी है, उसे संघ के निर्देश की आवश्यकता नहीं। लोकसभा चुनाव में 240 सीटों के साथ अल्पमत में आये प्रधानमंत्री मोदी ने बिना भाजपा कार्यकारिणी की बैठक बुलाये या संघ से मशवरा किए बगैर एनडीए की बैठक बुलाकर खुद को फिर से नेता घोषित कर लिया। इसीलिए अब संघ अपने विश्वासपात्र को अध्यक्ष बनाना चाहता है, जबकि मोदी-शाह 2029 के लिए सरकार के साथ पार्टी पर पूरा नियंत्रण चाहते हैं।

मोदी ने पहले तो बंटोगे तो कटोगे जैसे सांप्रदायिक नारे दिए, लेकिन ईद पर सौगात ए मोदी भेजकर भाजपा समर्थकों को असमंजस में डाल दिया। यही नहीं, जो संघ सावरकर के हिंदू एकता के बुनियादी विचारों पर खड़ा है और हमेशा जाति प्रथा के साथ आरक्षण का भी विरोधी रहा है, भागवत व स्वयं मोदी भी इसके खिलाफ बोल चुके हैं, उन्हीं मोदी ने अचानक अगली जनगणना में जातियों की गणना कराने की राहुल गांधी की मांग को मंजूरी दे दी, तो समूचा संघ परिवार हिल गया। यह सावरकर समेत समूचे संघ की सोच पर हमला था। भागवत भले ही यह कहते हों कि मुसलमान भी हिंदू हैं और समाज का हिस्सा हैं, उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि वे अब हिंदू एकता की बात नहीं करते। सवाल है कि जाति जनगणना के मोदी के फैसले के बाद संघ कार्यकर्ता अब शाखाओं में क्या कहेंगे।

संघ और मोदी-शाह के बीच एक अहम पेंच फंसा है - भाजपा के पार्टी अध्यक्ष पद के चुनाव का। यह मतभेद एक साल से जारी है। मार्च 2025 में मोदी नागपुर गए, और 30 मई को भागवत दिल्ली में मोदी से मिले, लेकिन मसला अनसुलझा रहा। मोदी ने 75 साल की उम्र में नेताओं को रिटायर करने का नियम बनाया, आडवाणी, जोशी जैसे नेता रिटायर कर भी दिये गए। अब सितंबर 2025 में मोदी खुद 75 साल के होंगे।

उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाना होगा

मानव एवं जीव-जंतुओं का जीवन भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण, भूमि का दोहन, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण आज की जलवायु समस्याओं का सटीक समाधान हो सकता है, इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस 17 जून को मनाया जाता है। यह दिन मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने के लिए जागरूकता बढ़ाने और लोगों को एकजुट करने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है 'भूमि के लिए एकजुट। हमारी विरासत। हमारा भविष्य' है, संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह दिवस पर भूमि के महत्व और इसे भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। कोलंबिया गणराज्य इस वर्ष 17 जून को मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस के वैश्विक आयोजन की मेजबानी करेगा, जो प्रकृति-आधारित समाधानों के माध्यम से भूमि क्षरण को संबोधित करने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बोगोटा में आयोजित यह कार्यक्रम स्थिरता, शांति और समावेशी विकास के उत्प्रेरक के रूप में भूमि बहाली एवं सूखा निवारण की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालेगा, साथ ही भोजन, पानी, रोजगार और सुरक्षा सुनिश्चित करने में स्वस्थ भूमि की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देगा। स्वस्थ भूमि संपन्न अर्थव्यवस्थाओं का आधार है, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का आधा से अधिक हिस्सा प्रकृति पर निर्भर है। फिर भी हम इस प्राकृतिक पूंजी को खतरनाक दर से नष्ट कर रहे हैं- हर मिनट, भूमि क्षरण के कारण चार फुटबॉल मैदानों के बराबर भूमि नष्ट हो जाती है। इससे जैव विविधता का नुकसान होता है, सूखे का खतरा बढ़ता है और समुदाय विस्थापित होते हैं। इसके प्रभाव वैश्विक हैं-खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों से लेकर अस्थिरता और पलायन तक। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा हमारे समय की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से हैं तथा विश्वभर में 40 प्रतिशत भूमि क्षेत्र पहले से ही क्षरित माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र के पारिस्थितिकी तंत्र बहाली दशक 2021-2030 के आधे पड़ाव पर पहुंचने के साथ ही, हमें भूमि क्षरण की लहर को बड़े पैमाने पर बहाली में बदलने के प्रयासों में तेजी लानी चाहिए। यदि मौजूदा रुझान जारी रहे, तो हमें 2030 तक 1.5 बिलियन हेक्टेयर भूमि को बहाल करना होगा और एक ट्रिलियन डॉलर की भूमि बहाली अर्थव्यवस्था को गति देनी होगी।

भूमि को पुनःस्थापित करें, अवसरों को खोलें थीम के अंतर्गत, इस बात पर प्रकाश डालता है कि प्रकृति की नींव-भूमि-को पुनःस्थापित करने से किस प्रकार रोजगार सृजित हो सकते हैं, खाद्य और जल सुरक्षा को बढ़ावा मिल सकता है, जलवायु कार्रवाई का समर्थन किया जा सकता है और आर्थिक लचीलापन निर्मित किया जा सकता है। यह विशेष रूप से उन शुष्क, अर्द्ध-शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिन्हें शुष्क भूमि के रूप में जाना जाता है, इन स्थानों पर सबसे कमज़ोर पारिस्थितिक तंत्र पाए जाते हैं। यह दिवस अंतरराष्ट्रीय सहयोग से उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाता, बंजर और सूखे के प्रभाव का मुकाबला करने में सक्षम बनाता है। वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में बंजर और सूखे से जुड़े मुद्दे पर जन जागृति का माहौल निर्मित करने के लिये इस दिवस की घोषणा की। बढ़ते मरुस्थल के प्रति सचेत होना इसलिये जरूरी है कि दुनिया हर साल 24 अरब टन उपजाऊ भूमि खो देती है। मरुस्थलीकरण से बचाव के लिए जल संसाधनों का संरक्षण तथा समुचित मात्र में विवेकपूर्ण उपयोग काफी कारगर भूमिका अदा कर सकती है। मरुस्थलीकरण एक तरह से भूमि क्षरण का वह प्रकार है, जब शुष्क भूमि क्षेत्र निरंतर बंजर होता है और नम भूमि भी कम हो जाती है। साथ ही साथ, वन्य जीव व वनस्पति भी खत्म होती जाती है। इसकी कई वजह होती हैं, इसमें जलवायु परिवर्तन और इंसानी गतिविधियां प्रमुख हैं। इसे रेगिस्तान भी कहा जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक 2025 तक दुनिया के दो-तिहाई लोग जल संकट की परिस्थितियों में रहने को मजबूर होंगे। उन्हें कुछ ऐसे दिनों का भी सामना करना पड़ेगा जब जल की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर होगा। ऐसे में मरुस्थलीकरण के परिणामस्वरूप विस्थापन बढ़ने की संभावना है और 2045 तक करीब 13 करोड़ से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ सकता है। विश्व में जमीन का मरुस्थल में परिवर्तन होना गंभीर समस्या एवं चिन्ता का विषय है। भारत में भी यह चिंता लगातार बढ़ रही है। इसकी वजह यह है कि भारत की करीब 30 फीसदी जमीन मरुस्थल में बदल चुकी है। इसमें से 82 प्रतिशत हिस्सा केवल आठ राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) द्वारा जारी स्टेट ऑफ एनवायरमेंट इन फिगर्स 2019 की रिपोर्ट के मुताबिक 2003-05 से 2011-13 के बीच भारत में मरुस्थलीकरण 18.7 लाख हेक्टेयर बढ़ चुका है। सूखा प्रभावित 78 में से 21 जिले ऐसे हैं, जिनका 50 फीसदी से अधिक क्षेत्र मरुस्थलीकरण में बदल चुका है। भारत में लगातार बढ़ रहे रेगिस्तान की गंभीर चिन्ताजनक स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जागरूक है और अपनी तीसरी पारी में अब प्रकृति- पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण-मुक्ति के साथ बढ़ते रेगिस्तान को रोकने के लिये उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने एवं पर्यावरण की रक्षा को लेकर प्रधानमंत्री का संकल्प एक शुभ संकेत है, नये भारत के अभ्युदय का प्रतीक है। उम्मीद करें कि आजादी के अमृतकाल में सरकार की नीतियों में जल, जंगल, जमीन एवं जीवन की उन्नत संभावनाएं और भी प्रखर रूप में झलकेगी और धरती के मरुस्थलीकरण के विस्तार होते जाने की स्थितियों पर काबू पाने में सफलता मिलेगी। सरकार द्वारा मरुस्थलीकरण समस्या के समाधान के लिए भूमि और पारिस्थितिकी प्रबंधन क्षेत्र में नवाचार के जरिए टिकाऊ ग्रामीण आजीविका सुरक्षा हासिल करने के लिए भी कार्य किया जा रहा है। उदाहरण के लिए उत्तराखण्ड सरकार ने आजीविका स्तर सुधारने के लिए भूमि, जल और जैव विविधता का संरक्षण और प्रबंधन किया। सरकार के इन्हीं प्रयासों के तहत अहमदाबाद स्थित स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (एसएसी) ने 19 अन्य राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर मरुस्थलीकरण और भूमि की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर देश का पहला एटलस बनाया है तथा दूरसंवेदी उपग्रहों के जरिये जमीन की निगरानी की जा रही है।

21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के सफल आयोजन हेतु जिला प्रशासन ने दिए निर्देश

"योगा संगम" और "हरित योग" के संदेश के साथ हर गांव-हर शहर में आयोजित होंगे विशेष योग शिविर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 को जिले भर में भव्य और उत्साहपूर्ण ढंग से मनाने की तैयारियाँ प्रारंभ हो चुकी हैं। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला समाज कल्याण विभाग, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा समस्त संबंधित कार्यालय प्रमुखों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। समाज कल्याण संचालनालय, रायपुर के मार्गदर्शन में इस वर्ष योग दिवस की थीम "योगा संगम" और "हरित योग" पर आधारित रहेगी। कार्यक्रमों का आयोजन प्रातः 6 बजे से शुरू होकर जिले के समस्त नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायत/नगरीय निकायों के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर किया जाएगा। जिला कार्यालय समाज कल्याण द्वारा जारी आदेश में नगर निगम आयुक्त, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नगर पंचायत अधिकारी गण एवं अन्य विभाग प्रमुखों से आग्रह किया गया है, कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में व्यापक स्तर पर जनसहभागिता सुनिश्चित करें। वहीं सभी आयोजन स्थलों पर फोटो एवं वीडियो दस्तावेजीकरण अनिवार्य होगा, जिसे dpsw.mcb@gmail.com पर ईमेल या विशेष वाहक के माध्यम से जिला कार्यालय समाज कल्याण को भेजना होगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का विशेष शुभकामना संदेश भी साझा किया जाएगा, जिसमें उन्होंने योग को भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत का गौरव बताया है। प्रधानमंत्री ने "योगः एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य" थीम को वैश्विक स्वास्थ्य, पर्यावरणीय संतुलन और सर्वांगीण मानव कल्याण से जोड़ते हुए इसे सामूहिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने ग्राम प्रधानों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्रों में सामूहिक योग अभ्यास कार्यक्रम आयोजित करें, जिससे बच्चे, युवा, महिलाएं और वरिष्ठ नागरिक सभी सक्रिय भागीदारी कर सकें।

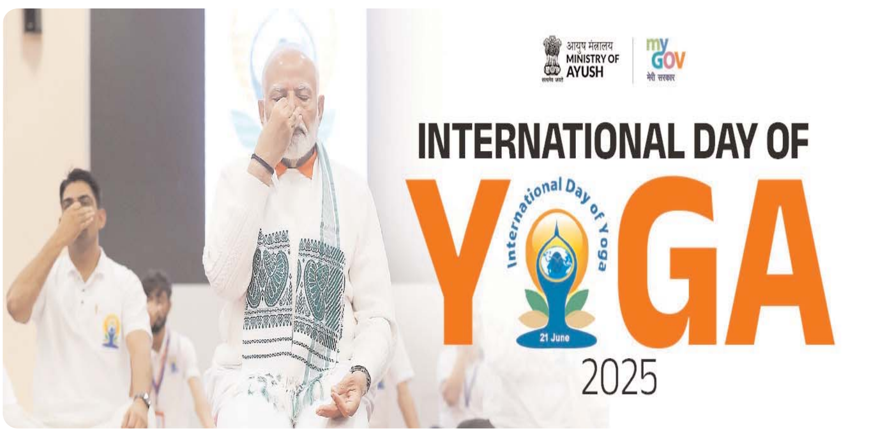

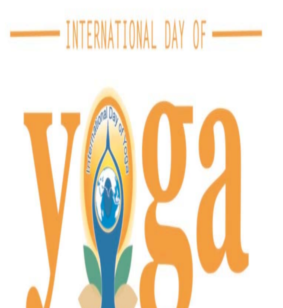

विभिन्न विभागों को सौंपी गई जिम्मेदारियां, आयोजन की तैयारी पूरी

छत्तीसगढ़ शासन के समाज कल्याण विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में इस वर्ष 21 जून को मनेन्द्रगढ़ में ग्यारहवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिला स्तरीय भव्य आयोजन का निर्णय लिया गया है, जिसके अंतर्गत प्रातः 7:00 से 8:00 बजे तक सामूहिक योगाभ्यास का कार्यक्रम स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, मनेन्द्रगढ़ परिसर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के महत्व को जन-जन तक पहुंचाकर नागरिकों को मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना है। इस आयोजन की जिम्मेदारी प्रशासन ने सुनियोजित ढंग से तय की है। आयोजन का सफलतापूर्वक संचालन हेतु अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मनेन्द्रगढ़ लिंगराज सिदार को नोडल अधिकारी एवं जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। योग दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों को विशिष्ट जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस आयोजन में सुरक्षा से लेकर स्वास्थ्य, पेयजल से लेकर प्रचार-प्रसार तक की व्यापक व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संपन्न कराने हेतु प्रत्येक विभाग को उसकी भूमिका के अनुसार कार्य दायित्व सौंपा गया है। पुलिस विभाग को आयोजन स्थल पर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपा गया है, जिसकी निगरानी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक करेंगे। राजस्व विभाग कानून व्यवस्था एवं योग मंच की बैठक व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेंगे, जिसका नेतृत्व अनुविभागीय अधिकारी मनेन्द्रगढ़ करेंगे। नगर पालिका परिषद एवं जनपद पंचायत को कार्यक्रम स्थल की सफाई, पीने के पानी की उपलब्धता, टैंकर एवं चूना मार्किंग जैसी जरूरी सुविधाओं की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, खेल एवं युवा कल्याण विभाग को वीआईपी अतिथियों के लिए ट्रैक सूट की व्यवस्था तथा एनएसएस और एनसीसी स्वयंसेवकों की उपस्थिति सुनिश्चित करनी है। लोक निर्माण विभाग को मंच व्यवस्था, ग्रीन मेट, योगा मेट, गद्दा, सफेद चादर जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं करनी है, जबकि लोक निर्माण विभाग को साउंड सिस्टम और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की व्यवस्था करनी है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग विशेष अतिथियों और प्रतिभागियों के लिए पीने के पानी की समुचित व्यवस्था करेगा। शिक्षा विभाग को विद्यालयों और महाविद्यालयों से छात्र-छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित करने और उद्घोषणा व्यवस्था संभालने का कार्य सौंपा गया है। खाद्य विभाग योगाभ्यास में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था करेगा। साथ ही आदिवासी विकास विभाग भी अपने अधीन छात्र-छात्राओं की उपस्थिति सुनिश्चित करने में सहयोग देगा। जनसंपर्क विभाग को कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी दी गई है, जिसमें फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी शामिल है। उद्यानिकी विभाग को कार्यक्रम स्थल पर पुष्प सज्जा हेतु रोज स्टिक की व्यवस्था करनी है। समाज कल्याण विभाग द्वारा योग प्रशिक्षकों की उपस्थिति एवं आयोजन स्थल हेतु बैनर आदि की तैयारी कराई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग मेडिकल टीम, एम्बुलेंस और प्राथमिक उपचार जैसी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएगा, जबकि आयुष विभाग काढ़ा एवं औषधियों का वितरण करेगा। इन समस्त व्यवस्थाओं का संचालन नोडल अधिकारी लिंगराज सिदार और सहायक नोडल अधिकारी अजय कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में किया जाएगा। प्रशासन ने सभी विभागों को निर्देशित किया है कि वे सौंपे गए कार्यों का समयबद्ध एवं समन्वित क्रियान्वयन सुनिश्चित करें ताकि यह आयोजन पूर्ण गरिमा और सफलता के साथ संपन्न हो सके।

एकलव्य विद्यालयों में लेटरल एंट्री से प्रवेश हेतु चयन परीक्षा 29 को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में जिले के आदिवासी छात्रों के लिए एक बार फिर से एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में अध्ययन का सुनहरा अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह एवं जमथान में कक्षा 7वीं, 8वीं, 9वीं एवं 11वीं में रिक्त कुल 14 सीटों पर लेटरल एंट्री के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश के इच्छुक छात्र-छात्राएं 24 जून 2025 तक पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन पत्र एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह (विकासखंड खड़गवां, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर) में जमा कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षा 29 जून 2025 को प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित की जाएगी, जिसका केंद्र पोड़ीडीह स्थित एकलव्य विद्यालय रहेगा। यह परीक्षा कक्षा 7वीं, 8वीं और 9वीं के लिए आयोजित होगी, जबकि कक्षा 11वीं में प्रवेश कक्षा 10वीं में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट सूची के अनुसार किया जाएगा। प्रवेश हेतु अनिवार्य शर्तों में यह आवश्यक है कि विद्यार्थी छत्तीसगढ़ राज्य का मूल निवासी हो, राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित अनुसूचित जनजाति वर्ग से संबंधित हो तथा किसी अन्य विद्यालय से निष्कासित न किया गया हो।

पोड़ीडीह विद्यालय में कक्षा 7वीं में तीन सीटें (1 बालक, 2 बालिका), कक्षा 8वीं में एक सीट (बालक), कक्षा 9वीं में एक सीट (बालक), और कक्षा 11वीं में कुल आठ सीटें (4 बालक, 4 बालिका) उपलब्ध हैं। वहीं जमथान विद्यालय में कक्षा 7वीं में एक बालक के लिए सीट उपलब्ध है। कुल मिलाकर 14 छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा का अवसर प्राप्त होगा। प्रवेश नीति, पात्रता, आरक्षण एवं नियमों की विस्तृत जानकारी जिला सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग कार्यालय मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एवं संबंधित एकलव्य विद्यालयों के सूचना पटल पर उपलब्ध है। यह पहल विशेष रूप से आदिवासी अंचलों के प्रतिभाशाली छात्रों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्रभारी कलेक्टर ने आमजनों की सुनी समस्याएं

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार सिदार ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीण जन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं को सीधे प्रभारी कलेक्टर के समक्ष रखा। प्रभारी कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

आज की जनदर्शन में कुल 49 आवेदन प्राप्त हुए। इस जनदर्शन में आवेदक रामनाथ निवासी लरकोड़ा वन अधिकार पट्टा निरस्त करने के संबंध में, श्रीमती स्वीटी गुप्ता निवासी मनेंद्रगढ़ सीमांकन के संबंध में, जगई बसोर निवासी लरकोड़ा फर्जी वनाधिकार मान्यता पपत्र धारी पट्टा को निरस्त करने के संबंध में, मंगल प्रसाद निवासी सरभोका फर्जी पट्टा निरस्त करने के संबंध में, समस्त किसान निवासी ग्राम पंचायत मुकुंदपुर नहर मुआवजा के संबंध में, सरस्वती निवासी आमाडांड पुराना कब्जा भूमि का पट्टा देने के संबंध में, सविता, बेबी अंजली लकड़ा, अलका सिंह, करुणा साहू एवं प्रतिक्षा श्रीवास्तव शिक्षकों युक्तियुक्तकरण हेतु जारी काउंसिलिंग सूची को निरस्त करने एवं श्रीमती अरनिमा जायसवाल सहायक शिक्षक ई.एल.बी. प्रा.शाला चिमटीमार को नियम विरुद्ध तरीके से नियुक्तिकरण देने के संबंध में, नारायण निवासी घुटरा पुत्र को अनुकम्पा नियुक्ति देने के संबंध में, मनोज कुमार निवासी नागपुर नामांतरण नहीं किए जाने के संबंध में, सुदामा निवासी पेंड्री भाभी एवं उसके बच्चों के व्दारा घर से बेदखल करने के संबंध में, महिपाल सिंह निवासी जुईली कब्जे की भूमि पट्टा प्रदान करने के संबंध में, फूलमती निवासी केलुआ रास्ता बंद करने के संबंध में, सूरजभान निवासी भंवरखोह मिट्टी ढुलाई कार्य का बिल भुगतान करने के संबंध में, रामबाई निवासी बौरीडांड मृत्यु प्रमाण पत्र जारी नहीं करने के संबंध में, समयलाल निवासी कुरकुरी भूमि बटवारा करने के संबंध में, रामकुमार निवासी कुरकुरी भूमि को भाई आपसी में बटवारा करने के संबंध में, उर्मिला निवासी बिहारपुर हल्का नंबर 01 धवलपुर को स्थल जांच कर प्रतिवेदन दिए जाने के संबंध में, दलप्रताप सिंह निवासी हस्तिनापुर भूमि का पट्टा प्राप्त करने के संबंध में, राजेन्द्र निवासी केराडोल काबिज भूमि का पट्टा देने के संबंध में, समारु निवासी घाघरा ऋण पुस्तिका देने के संबंध में, समस्त ग्रामवासी निवासी खैरबना शासकीय आबादी भूमि को सार्वजनिक प्रयोजन में लाने एवं सीमांकन करने के संबंध में, विनोद कुमार निवासी कोड़ा प्रधानमंत्री आवास योजना की मनरेगा के अंतर्गत मजदूरी राशि को रोजगार सहायक के व्दारा बिना काम किए व्यक्ति के खाते में एम.आई.एस. करने के संबंध में, मंगल सिंह निवासी रजरावल (दादरपाठ) पुश्तैनी जमीन पर अवैध कब्जा करने के संबंध में, उदित नारायण सिंह सहायक शिक्षक प्राथमिक शाला छाताडांड युक्तिकरण, स्थानांतरण करने के संबंध में, नंदलाल निवासी छिपछिपी गुम हुई ऋण पुस्तिका की द्वितीय प्रति देने के संबंध में, विक्की निवासी पोड़ी राजू व्दारा गलत बर्ताव एवं मेरे काम को पूरा ना कराये देने के संबंध में, कमलादेवी निवासी खोंगापानी आवेदन पर अबतक को कार्यवाही नहीं करने के संबंध में, बेचनी बाई दो माह का मेडिकल एवं एक माह का वेतन न मिलने के संबंध में, महमूद अली निवासी मौहारपारा गुमटी रखने के संबंध में, भगवान दास निवासी सीमांकन करने के संबंध में, शिवनाथ निवासी सैधा भूमि बटवारा नहीं होने के संबंध में, समस्त ग्रामवासी जूईली पक्का चेक डेम निर्माण कार्य, राशन वितरण ऑनलाइन सिस्टम को ऑफलाइन करने, सचिव सुरेश सिंह का अतिरिक्त प्रभार को हटाने एवं गैवियत वॉल निर्माण को स्वीकृत करने के संबंध में, शंकरलाल निवासी मुलुकनार काबिज भूमि को वन विभाग व्दारा वन भूमि बताए जाने के संबंध में, शंखलाल निवासी ताराबहरा प्रधानमंत्री आवास मित्र का काम दिलाने या एक वर्ष का मजदूरी दिलाने के संबंध में, जगजीवन सिंह निवासी सिरौली जयमंत्री, राजाराम एवं रोहित सिंह का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध में, बादशाह निवासी मेंड्राडोल हैंडपंप में सूर्य प्लेट एवं सेल टंकी लगाने के संबंध में रामसाय सिंह वन अधिकार पट्टा सुधार करने के संबंध में, राहुल यादव निवासी भूमका सोलर की डी.डी. जमा करने के बाद आज तक सोलर न मिलने के संबंध में, कुंवर सिंह निवासी चौघड़ा भूमि का रजिस्ट्री कराने के बाद पैसा न देने एवं नामांतरण पंजी की नकल देने के संबंध में, महिपाल सिंह निवासी परसगढ़ी टू व्हीलर के संबंध में, कल्याण सिंह, इंद्रपाल एवं नाथूराम निवासी कोड़ा पट्टा निरस्त किए जाने के संबंध में, शिवलाल निवासी कोड़ा पट्टा निरस्त करने के संबंध में, प्रेम सिंह निवासी कोड़ा पट्टा निरस्त करने के संबंध में और कुंवर सिंह चौघड़ा भूमि का सीमांकन नही किए जाने के संबंध में अपना शिकायत लेकर उपस्थित हुए थे। प्रभारी कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही करते हुए त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

बांग्लादेशी घुसपैठियों पर बीजेपी-कांग्रेस आमने-सामने

डिप्टी सीएम बोले-कांग्रेस अपने 5 साल का रिपोर्ट पेश करें, बैज ने कहा- अरुण साव सरकार चला रहे या रिक्शा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। कांग्रेस ने बीजेपी सरकार से पिछले 17 महीनों में हुई अवैध घुसपैठियों की कार्रवाई को लेकर आंकड़े पेश करने कहा है। जिस पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि, विपक्ष के नाते वे प्रश्न कर रहे हैं।लेकिन पहले कांग्रेस अपने 5 साल का रिपोर्ट पेश करें। उन्होंने धर्मांतरण और बांग्लादेशी के खिलाफ कितनी कार्रवाई की है। इसके बाद अरुण साव के बयान पर दीपक बैज ने फिर पलटवार कर कहा कि, सरकार में वे डिप्टी सीएम है। आंकड़े उन्हें पेश करना चाहिए। अरुण साव सरकार चला रहे हैं, रिक्शा चला रहे हैं या टांगा चला रहे हैं ?

डिप्टी सीएम ने कहा कि, विपक्ष को अपने 5 साल के कार्यकाल के आंकड़े पेश करनी चाहिए कि, उन्होंने

धर्मांतरण और बांग्लादेशियों पर कितनी कार्रवाई की। उन्हें अपना रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करना चाहिए। हम तो कार्रवाई कर ही रहे है और कार्रवाई दिख भी रही है।

चाहे वो प्रदेश में धर्मांतरण का मामला हो या बांग्लादेशियों का मामला हो। उन पर लगातार कार्रवाई हो रही है। राज्य में कानून व्यवस्था को बिगाड़ने वालों पर, संदिग्ध तरह से रहने वालों पर जीरो टॉलरेंस की नीति सरकार की है। उस पर मजबूत कार्रवाइयां लगातार हो रही है।

डिप्टी सीएम अरुण साव के कांग्रेस सरकार के 5 साल के आंकड़े मांगने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज कहा कि, प्रदेश में सरकार उनकी है। सरकार में वो उप मुख्यमंत्री हैं, तो उन्हें आंकड़े प्रस्तुत करना चाहिए। अरुण साव सरकार चला रहे हैं या फिर वे रिक्शा और टांगा चला रहे है। पहले वे इस बात को स्पष्ट कर ले। बैज ने कहा कि, सरकार में आप है। शासन-प्रशासन आपके पास है। आंकड़े उन्हें प्रस्तुत करना चाहिए। वे सरकार चला रहे है ना कि रिक्शा चला रहे हैं।

घुसपैठियों को लेकर पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि, भारत और छत्तीसगढ़ में घुसपैठिये कैसे आए। केंद्र में किसकी सरकार है, मैं मुख्यमंत्री और गृहमंत्री को धन्यवाद देता हूं। दोनों नेताओं ने केंद्र सरकार को बेनकाब कर दिया है। 11 साल से देश में मोदी सरकार है, फिर भी बांग्लादेशी देश में आ गए है। अब इस मामले में भाजपा को बताना चाहिए कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है?

सरेंडर नक्सली परिवार के 3 लोगों की हत्या

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने मंगलवार की शाम सरेंडर नक्सली के परिवार के 3 लोगों की हत्या कर दी है। 7 ग्रामीणों को बेदम पीटा है, जबकि कुछ लोगों का अपहरण कर अपने साथ ले गए हैं। फिलहाल, पुलिस को इसकी जानकारी नहीं है। दरअसल, यह घटना नक्सल प्रभावित पेद्दाकोरमा गांव की है। आज शाम करीब 4 से 5 बजे के बीच भारी संख्या में नक्सली पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि सरेंडर नक्सली दिनेश मोडियम के रिश्तेदार झिंगु मोडियम, सोमा मोडियम और अनिल माड़वी की हत्या कर दी है।

इस गांव के करीब 7 ग्रामीणों को बुलाकर उनकी बेदम पिटाई की गई। फिलहाल सूत्रों के हवाले से खबर है। मामले की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। ASP चंद्रकांत गवर्णा ने दैनिक भास्कर से कहा कि, पुलिस टीम को गांव भेजकर जानकारी जुटाई जा रही है। 15 दिन पहले ही बीजापुर जिले के इंद्रावती नेशनल पार्क क्षेत्र में

मुठभेड़ हुई थी। एनकाउंटर में जवानों ने सेंट्रल कमेटी सदस्य गौतम उर्फ सुधाकर और तेलंगाना कमेटी के सदस्य भास्कर समेत 7 नक्सलियों को मार गिराया था। मारे गए सुधाकर पर 1 करोड़ और भास्कर पर 45 लाख का इनाम था। सुधाकर छुट्टी मनाकर जंगल लौटा था, तभी मुठभेड़ में मारा गया। वहीं, सुकमा जिले में 11 जून को पुलिस और डीआरजी के जवानों ने 5 लाख के इनामी नक्सली समेत 2 को मार गिराया था। इसमें एक महिला नक्सली भी शामिल है। जवानों ने नक्सलियों के शव और हथियार भी बरामद किए थे। मारे गए नक्सलियों में से एक की पहचान पेडारस एलओएस कमांडर बमन के रूप में हुई है।

रीवा/सतना की खबरें

कलेक्टर ने सुनी 156 लोगों की समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, सतना (एजेंसी)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई में जिले के दूर-दराज के क्षेत्रों से आये 156 आवेदकों से उनकी समस्यायें सुनी और अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिये। इस मौके पर अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे, सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य, एसडीएम सुधीर बेक सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में जमीन का सीमांकन कराने, अनुकंपा नियुक्ति, खाद्यान पात्रता पर्ची, दाखिल-खारिज कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध कब्जा हटाने, विद्युत समस्या, जमीन का कब्जा दिलाने, सीमांकन कराने, चिकित्सा सहायता, रोजगार दिलाने, भरण-पोषण और संबल योजना के लाभ संबंधी आवेदन लेकर जनसुनवाई में पहुंचे।

मैहर में जनसुनवाई में आये 16 आवेदन

मीडिया ऑडीटर, सतना (एजेंसी)। कलेक्टर रानी बाटड ने मंगलवार को जनसुनवाई में जिले के विभिन्न अंचलों से प्राप्त 16 आवेदनों पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को निराकरण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

43 प्रकरणों में अत्याचार पीड़ितों को 50 लाख 81 हजार रूपये की सहायता स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, सतना (एजेंसी)। अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मैहर जिले में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 43 प्रकरणों में जनवरी 2025 तक 50 लाख 81 हजार 300 रूपये की सहायता स्वीकृत की गई है। इस आशय की जानकारी कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट मैहर रानी बाटड की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न जिला सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक में दी गई। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल, अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, सीएसपी महेन्द्र सिंह, सदस्य फूल सिंह तेकाम, नारेन्द्र सिंह उइके, मोलई प्रसाद तथा रमाशंकर मिश्रा उपस्थित थे। जिला सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 जनवरी 2025 तक जिले में अत्याचार पीड़ितों के 43 प्रकरणों में अब तक 50 लाख 81 हजार 300 रूपये की आर्थिक सहायता हितग्राहियों को स्वीकृत की गई है। जिसमें अनुसूचित जाति के 36 पीडितों को 44 लाख 56 हजार 300 रूपये और अनुसूचित जनजाति के 7 पीडितों को 6 लाख 25 हजार रूपये की राशि योजना के प्रावधान के तहत स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार जनवरी 2025 से मई तक 20 पीडितों को 23 लाख 75 हजार रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। बैठक में बताया गया कि अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के अंतर्गत चालान पेश मामलों की पैरवी विशेष लोक अभियोजक द्वारा की जा रही है। माह जनवरी 2025 तक 1049 मामले विशेष न्यायालय में सुनवाई के लिए लंबित थे। जिनमें 156 मामले निराकृत हो चुके है। इनमें 29 मामलों में सजा, 80 मामलों में राजीनामा एवं 33 मामलों में आरोपी दोष मुक्त हुए है। शेष 893 मामलों की सुनवाई न्यायालय द्वारा की जा रही है। एससी/एसटी एक्ट के अंतर्गत पुलिस विवेचना में जनवरी 2025 तक दर्ज 60 मामलों में से 49 मामले विशेष न्यायालय में पेस किये गये थे। शेष 11 मामले विवेचना में लंबित है जिनकी विवेचना की जा रही है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रकरणों के डिस्पोजल में अधिक प्रयास करने की जरुरत है। प्रकरणों का निराकरण तीव्र गति एवं व्यक्तिगत रुचि लेकर निराकरण करने का प्रयास करें। कलेक्टर ने कहा कि अत्याचार निवारण अधिनियम के स्वीकृत प्रकरणों में लंबित भुगतान के लिए बजट आवंटन हेतु शासन को प्रस्ताव भेजें।

कालातीत ऋणी षस्त्र लायसेंसधारी किसानों को नोटिस जारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (एजेंसी)। शासन के निर्देशानुसार सहकारी समितियों के कालातीत ऋणी किसानों से बकाया वसूली के लिए सतना जिले के 26 शस्त्र लाइसेंस धारक किसानों को नोटिस जारी कर 7 दिवस में राशि जमा करने के निर्देश दिये गये हैं। समयावधि में संबंधित समिति में बकाया राशि नहीं जमा करने पर शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने की कार्यवाही की जायेगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित सतना के अनुसार 14 सेवा सहकारी समितियों के अंतर्गत कुल 26 शस्त्र लायसेंस धारी किसानों से कालातीत बकाया राशि 40 लाख रूपये की वसूली की जानी है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने संबंधित बकायादारों को नोटिस जारी कर 7 दिवस में बकाया राशि संबंधित समिति में जमा कर रसीद की छाया प्रति प्रस्तुत करने के निर्देश दिये हैं। समयावधि में राशि जमा नहीं होने पर शस्त्र लायसेंस निरस्त करने की कार्यवाही की जायेगी। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक सतना को अवगत कराते हुए संबंधित थाना प्रभारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

जिले में ग्रीष्म कालीन मूंग का पंजीयन 19 जून से 5 जुलाई तक

मीडिया ऑडीटर, सतना (एजेंसी)। भारत सरकार की प्राईस सपोर्ट स्कीम योजना अंतर्गत विपणन वर्ष 2025-26 में ग्रीष्म कालीन मूंग एवं उड़द की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए पंजीयन 19 जून से 5 जुलाई 2025 तक किया जायेगा। प्रदेश के 33 जिलों में सतना जिला भी मूंग उत्पादक ज़िलों में शामिल हो गया है। जिले के किसान समर्थन मूल्य ग्रीष्मकालीन मूंग 8768 रूपये पर बेच सकेंगे। पंजीयन के अलावा पंजीयन केन्द्रों का निर्धारण, पंजीयन केन्द्रों पर भौतिक एवं मानव संसाधनों की व्यवस्था, कृषकों के पंजीयन एवं सत्यापन की प्रि या, प्रचार-प्रसार एवं प्रशिक्षण तथा वित्तीय व्यवस्था तथा किसानों को फ़सल बेचने के लिए स्लाट चयन की प्रि या ृएउचमपनचंतरंदण्दपबण्पद ई-उपार्जन पोर्टल पर रहेगी। साथ ही मूंग उपार्जन के लिए कृषकों से पंजीयन के समय ही आधार नम्बर से लिंक बैंक खाता नम्बर लिया जायेगा। कृषकों से वर्ष 2025 की ग्रीष्म कालीन मूंग पैदावार में से मंडी एवं अन्य स्थान पर वि य की गई मूंग की जानकारी भरने की व्यवस्था कर कृषक द्वारा पंजीयन के समय प्रदाय की जा रही जानकारी को सत्यापित करने का प्रवाधान रहेगा।

भूतपूर्व सैनिक कल्याण समारोह रैली रीवा में 22 जून को

मीडिया ऑडीटर, सतना (एजेंसी)। भूतपूर्व सैनिक कल्याण समारोह रैली कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम रीवा में 22 जून को प्रातः 8 बजे से सिंगनल रिकार्डस आफिस एमबी एरिया जबलपूर द्वारा आयाजित की जायेगी। जिसके मुख्य अतिथि जीओसी एमबी एरिया जबलपुर रहेंगे। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सतना कर्नल मुनीन्द्र त्रिपाठी (से.नि.) ने रीवा एवं रीवा जिले से जुडे अन्य जिलों के सभी भूतपूर्व सैनिको, वीर नारियों, विधवाओं एवं वीर माता-पिता तथा अधिक से अधिक संख्या में रैली में उपस्थित होने का आग्रह किया गया है। जिसमें पेंशन, ईसीएचएस, मेडिकल, स्पर्श, जीवन प्रमाण पत्र, डाक्यूमेंट अपडेशन, करेक्शन बैंक एवं रिकार्डस आफिस से संबंधित सभी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जायेगा। रैली में जीओसी एमबी एरिया जबलपुर द्वारा सम्मानित किया जायेगा।

जिले के 12 कर्मचारियों का स्थानांतरण

मीडिया ऑडीटर, सतना (एजेंसी)। राज्य एवं जिला स्तर पर जारी अधिकारियों-कर्मचारियों की स्थानांतरण नीति 2025 के तहत कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा 12 कर्मचारियों का स्थानांतरण प्रशासनिक/स्वैच्छिक रूप से जिले के अंदर किया गया है। इसमें तहसील नागौद में पदस्थ सहायक ग्रेड-2 अर्चना लढिया को कलेक्टर कार्यालय खाद्य शाखा तथा तहसील उचेहरा के सहायक ग्रेड-2 सतीश चर वर्ती को तहसील नागौद के लिए स्थानांतरित किया गया है। इसी प्रकार तहसील रामपुर बघेलान में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 आदित्य त्रिवेदी को कलेक्टर कार्यालय सतना, वृत्त चित्रकूट तहसील मझगवां के मनीष पटेल को तहसील कोठी, तहसील मझगवां के दयाशंकर कोल को वृत्त चित्रकूट तहसील मझगवां, तहसील कोठी से दिनेश कुमार नामदेव को तहसील मझगवां, वृत्त जैतवारा तहसील बिरसिंहपुर के शैलेन्द्र वर्मा को कलेक्टर कार्यालय सतना न्यायिक शाखा, कलेक्टर कार्यालय खाद्य शाखा से मंगल प्रसाद कोल को वृत्त जैतवारा तहसील बिरसिंहपुर और तहसील नागौद में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 रमेश कुमार वर्मा की नवीन पदस्थापना तहसील उचेहरा में की गई है।

ट्रम्प जी7 समिट छोड़कर अमेरिका रवाना

अल्बर्टा , (एजेंसी)। कनाडा के अल्बर्टा राज्य के कैननास्किस में चल रही जी7 समिट में इजराइल-ईरान तनाव का असर दिख रहा है। समिट के पहले दिन जी7 देशों ने इजराइल का समर्थन किया। मंगलवार सुबह साझा बयान में कहा गया कि इजराइल को अपनी आत्मरक्षा करने का अधिकार है। ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए। उधर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प समिट को बीच में छोड़कर अमेरिका रवाना हो गए हैं। व्हाइट हाउस ने बताया कि मिडिल ईस्ट में तनाव के चलते ट्रम्प ने यह फैसला लिया है। इस बीच ट्रम्प ने कहा, मैं सीजफायर के लिए वॉशिंगटन नहीं लौट रहा हूं। बात उससे कहीं बड़ी है। इससे पहले ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा- ईरान को परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर करने चाहिए। ईरान न्यूक्लियर हथियार नहीं रख सकता है। मैंने यह बार-बार कहा है! सभी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए।

बिहार-झारखंड पहुंचा मानसून, 19 राज्यों में बारिश

मुंबई , (एजेंसी) सोमवार को मानसून ने गुजरात-मध्य प्रदेश में एंट्री की थी। महाराष्ट्र के विदर्भ, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ इलाकों में भी मानसून आगे बढ़ा है। एमपी यूपी, राजस्थान और बिहार में बिजली गिरने से सोमवार को 19 लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने आज गुजरात और सौराष्ट्र में भारी बारिश का रेड, जबकि मध्य प्रदेश-राजस्थान समेत 17 राज्यों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इधर, दिल्ली में खराब मौसम की वजह से दोपहर 3 से 4 बजे के बीच 12 फ्लाइट्स डायवर्ट की गईं। इधर राजस्थान में प्री-मानसून की बारिश जारी है। सोमवार को जयपुर, अजमेर समेत 20 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। मंगलवार को भी 26 जिलों में अलर्ट जारी किया गया है। मध्य प्रदेश में अगले 2 दिन में मानसून भोपाल-इंदौर में दस्तक दे सकता है। तब तक 40 जिलों में आंधी-बारिश जारी रहेगी। मानसून सबसे आखिर में ग्वालियर-चंबल पहुंचेगा। मौसम विभाग का अनुमान है, अगले दो दिन में मानसून गुजरात, महाराष्ट्र, एमपी ओडिशा, छत्तीसगढ़ के शेष हिस्सों में आगे बढ़ने के साथ ही यूपी में दस्तक दे सकता है। इस हफ्ते के अंत तक मानसून पश्चिमी यूपी दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों तक भी पहुंच जाएगा।

अहमदाबाद विमान हादसे की साइट से मिला 800 ग्राम गोल्ड

अहमदाबाद। एअर इंडिया की अहमदाबाद से लंदन जाने वाली फ्लाइट,ढ्ढ-171 (बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर) जहां क्रैश हुआ था, वहां से 80 तोला (800 ग्राम) गोल्ड, ?80 हजार क्रैश, एक मोबाइल फोन, भगवद गीता की कॉपी, 9 पासपोर्ट्स और दूसरा सामान बरामद हुआ। घटना के दौरान मौके पहुंचे शख्स राजेश पटेल के मुताबिक- जब वे घटनास्थल पर पहुंचे तो वहां अंधेरा था।

उज्जैन में रामायणकालीन लक्ष्मण बावड़ी को मिला नवजीवन

भोपाल , (एजेंसी) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पुरानी जल-संरचनाओं को फिर से उसी स्वरूप में लाने के लिए चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान ने उज्जैन की रामायणकालीन लक्ष्मण बावड़ी को नवजीवन के साथ पुरानी वैभव भी लौटाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस शानदार कार्य की सराहना की है। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपने उज्जैन प्रवास के दौरान चिंतामण स्थित लक्ष्मी बावड़ी पहुंचे थे और बावड़ी उत्सव में शामिल होकर जीर्णोद्धार कार्य की शुरूआत पूजन करके की थी।

उज्जैन में चिंतामण मंदिर स्थित लक्ष्मण बावड़ी का भी साफ-सफाई, रंगरोगन और पुनरुद्धार कार्य किया गया। प्राचीन लक्ष्मण बावड़ी एक अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक एवं पौराणिक स्थल है। इस बावड़ी का उल्लेख कई प्राचीन ग्रंथों में भी मिलता है। जन आस्था के अनुसार इसके जल को पवित्र और चमत्कारी माना जाता रहा है। यह बावड़ी रामायण काल से आज तक उज्जैन की धरती पर स्थित है और

स्थानीय जनआस्था का केन्द्र बनी रही है। लेकिन समय के साथ रखरखाव की कमी के चलते यह अपना मूल स्वरूप खो चुकी थी। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत लक्ष्मण बावड़ी में किए गए कार्य के बाद बावड़ी को पुनर्जीवन मिला। भागीरथी प्रयासों से आज यह प्राचीन बावड़ी फिर से अपने पौराणिक स्वरूप में लौट आई है और आस्था के केन्द्र के रूप में पुन: स्थापित हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं बावड़ी उत्सव के दौरान इसी स्थान पर पहुंचे, उन्होंने बावड़ी का निरीक्षण, पूजन किया और जल संरक्षण का संदेश भी दिया। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत लाखों जल संरचनाओं को जीर्णोद्धार कर पुनर्जीवन प्रदान किया गया है। यह अभियान 30 जून तक संचालित होगा।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में जल गंगा संवर्द्धन अभियान के अंतर्गत अनेक स्थानों पर प्राचीन बावड़ी मिली है। जिला प्रशासन ने इनके संरक्षण के लिये जनभागीदारी से साफ-सफाई कार्य को प्राथमिकता से किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेशभर में 30 मार्च गुड़ी पड़वा नववर्ष प्रतिपदा पर जल गंगा संवर्द्धन अभियान की शुरूआत की गई थी।

इंदौर में कोरोना से 2 मरीजों की मौत

र्न दिल्ली। इंदौर में सोमवार को इलाज के दौरान 2 कोविड मरीजों की मौत हो हुई। दोनों मरीज खरगोन और रतलाम जिले के थे। इंदौर में 71 एक्टिव केस हैं। बीते 24 घंटे में 2 नए मामले आए हैं। जून में अब तक 106 केस दर्ज हुए हैं। देशभर में एक्टिव केसों की संख्या घटकर 6836 पहुंच गई है। 6 दिन में एक्टिव केस 285 कम हुए हैं। बीते 24 घंटे में कोई नया केस नहीं मिला, जबकि 428 मरीज रिकवर हुए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1659 एक्टिव केस हैं। उत्तर प्रदेश- उत्तर प्रदेश सरकार ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए सावधानी बरतने का निर्देश जारी किया है।

एक दिन में एअर इंडिया की 7 इंटरनेशनल फ्लाइट्स कैंसिल

कोलकाता , (एजेंसी) एअर इंडिया की 7 इंटरनेशनल फ्लाइट मंगलवार को रद्द कर दी गईं। इनमें अहमदाबाद-लंदन, दिल्ली-पेरिस, दिल्ली-वियना, लंदन-अमृतसर, दिल्ली-दुबई, बेंगलुरु-लंदन फ्लाइट शामिल हैं। इसके अलावा सैन फ्रांसिस्को से मुंबई आ रही फ्लाइट के पैसेंजर्स को कोलकाता एयरपोर्ट पर उतारा गया। अहमदाबाद में 12 जून को ए-171 फ्लाइट क्रैश हुई थी। इसकी जगह अहमदाबाद से लंदन के लिए नई फ्लाइट ए-159 शुरू की गई है। यह फ्लाइट मंगलवार को लगातार दूसरी बार रद्द की गई। फ्लाइट को दोपहर 1.10 बजे उड़ान भरना था, लेकिन टेकऑफ से कुछ घंटे पहले तकनीकी खामी की बात कही गई। 16 जून को भी यह फ्लाइट रद्द की गई थी। दिल्ली से पेरिस जाने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट ए142 भी टेक्निकल परेशानी के बाद रद्द की गई, जो उड़ान से पहले जांच के दौरान सामने आई। इसके अलावा लंदन से अमृतसर आ रही फ्लाइट को भी तकनीकी दिक्कतों के चलते रद्द किया गया।

कमल हासन फिल्म विवाद, सुप्रीम कोर्ट की कर्नाटक सरकार को फटकार

नई दिल्ली, (एजेंसी) सुप्रीम कोर्ट ने एक्टर कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ की कर्नाटक में रिलीज न होने पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि किसी को भी लोगों के सिर पर बंदूक तानकर फिल्म देखने से नहीं रोका जा सकता। जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कर्नाटक सरकार से कहा कि जब किसी फिल्म को सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिल चुका है तो उसे देश के हर राज्य में दिखाया जाना चाहिए। कोर्ट ने राज्य सरकार को एक दिन का समय दिया है कि वह फिल्म की रिलीज पर स्थिति साफ करे। दरअसल, कर्नाटक फिल्म

चैंबर ऑफ कॉमर्स (चस्नष्टष्ट) ने मांग की थी कि जब तक हासन माफी नहीं मांगते, फिल्म रिलीज नहीं होगी। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है और मामला हाईकोर्ट की अपने पास ट्रांसफर कर लिया है। अगली सुनवाई 19 जून को होगी।

सोनिया गांधी को पेट में संक्रमण, 3 दिन से भर्ती

नई दिल्ली। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के पेट में हुआ संक्रमण ठीक हो रहा है। फिलहाल उन्हें निगरानी में रखा गया है। यह जानकारी नई दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल के अध्यक्ष ने मंगलवार को दी। डॉ. अजय स्वरूप ने कहा कि सोनिया की हालत स्थिर है, इलाज का सर हो रहा है। उनके खान-पान पर निगरानी रखी जा रही है। एहतियात के तौर पर उन्हें डिस्चार्ज नहीं किया जा रहा है। अस्पताल के अध्यक्ष ने बताया कि डॉ. एस नंदी और डॉ. अमिताभ यादव सोनिया गांधी के स्वास्थ्य और खान-पान पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। सोनिया को 15 जून की रात 9 बजे सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में भर्ती किया गया था। इससे पहले शिमला में भी उनकी तबीयत बिगड़ी थी। वे बेटी प्रियंका के फार्महाउस पर छुट्टियां बिताने गई थीं। मार्च 2024 में भी सोनिया गांधी

को तबीयत बिगड़ने के चलते दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 76 साल की सोनिया को बुखार आने की वजह से एडमिट किया गया था। सोनिया का इलाज कर रहे डॉ. डीएस राणा ने बताया कि सोनिया सीनियर कंसल्टेंट की निगरानी में हैं। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है।

सचिन पायलट ने उठाए सवाल, कहा- जातिगत जनगणना पर सरकार की नीयत साफ नहीं

जयपुर, (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने जनगणना के लिए जारी अधिसूचना में ''जातिगत गणना का उल्लेख नहीं होने तथा बजट आवंटन को लेकर मंगलवार को सवाल खड़े किए।

साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि जाति जनगणना पर सरकार की नीयत साफ नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को ''भ्रम की स्थिति पैदा करने के बजाय कांग्रेस शासित तेलंगाना में हुए हालिया जातिगत सर्वेक्षण का मॉडल अपनाते हुए जनगणना करानी चाहिए। केंद्र सरकार ने भारत की 16वीं जनगणना 2027 में कराने के लिए सोमवार को

अधिसूचना जारी की। यह जनगणना 2011 में हुई पिछली जनगणना के 16 साल बाद होगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि 2027 की जनगणना में जातिगत गणना भी शामिल की जाएगी और कहा कि कुछ भ्रामक सूचनाएं फैलाई जा रही हैं

बिहार को मिलेंगे 6 नए एयरपोर्ट, पटना में बनेगा 5 स्टार होटल...नीतीश कैबिनेट ने 20 प्रस्तावों को दी मंजूरी

पटना , (एजेंसी)। बिहार के छह और शहरों को हवाई संपर्क मिलेगा, राज्य कैबिनेट ने मंगलवार को इस संबंध में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए अपनी मंजूरी दे दी। अधिकारियों ने बताया कि केंद्र की क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़ान के तहत मधुबनी, सुपौल में बीरपुर, मुंगेर, बेतिया में वाल्मीकि नगर, मुजफ्फरपुर और सहरसा में नए एयरपोर्ट विकसित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की बैठक में अलग-अलग विभागों के कुल 20 प्रस्तावों पर मुहर लगी है। कैबिनेट ने

हवाई अड्डों के विकास के लिए राज्य के विमानन निदेशालय और एएआई के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने को अपनी मंजूरी दे दी।

जयराम रमेश बोले- मोदी सरकार में अच्छे दिन नहीं, बल्कि कर्ज वाले दिन आ गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में अच्छे दिन नहीं, बल्कि कर्ज वाले दिन आ गए हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक खबर का हवाला देते हुए सरकार पर निशाना साधा, जिसमें कहा गया है कि लोगों की बचत घट रही है और देनदारियां बढ़ रही है। रमेश ने 'एक्स पर पोस्ट किया, देश में लोगों की बचत घट रही है, कर्ज बढ़ रहा है! इसका मतलब बड़ा स्पष्ट है कि एक तरफ महंगाई बढ़ रही है, दूसरी तरफ लोगों की आय घट रही है। नतीजतन लोग अपना गुजारा करने के लिए या तो पहले से की गई बचत को निकलवा रहे हैं या कर्ज लेकर गुजर-बसर करने पर मजबूर हैं।उनके अनुसार, कुल मिला कर बात यह है कि भारत में आम लोगों की आर्थिक स्थिति बेहद चिंताजनक है

हरियाणा आ सकते हैं प्रधानमंत्री

चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर से हरियाणा आ सकते हैं। इस बार इसकी वजह बनेगा हरियाणा का अरावली ग्रीन प्रोजेक्ट। हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने जानकारी दी है कि हरियाणा सरकार द्वारा अरावली क्षेत्र में एक महत्वाकांक्षी जंगल सफारी परियोजना और अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट की रूपरेखा तैयार की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य न केवल इको-टूरिज्म को बढ़ावा देना है। बल्कि जैव विविधता, वन्य जीव संरक्षण और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करना भी है। मंत्री राव नरबीर सिंह

ने बताया कि अरावली भारत की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला है। जो हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली सहित चार राज्यों में फैली हुई है, और 1.15 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करती है। केंद्र सरकार ने हरियाणा को 'अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट' और 'जंगल सफारी' का दायित्व सौंपा है, जो पर्यावरणीय दृष्टिकोण से एक मील का पत्थर साबित होगा। राव नरबीर सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण के दौर में पर्यावरण संरक्षण एक वैश्विक चिंता बन गया है। उन्होंने कहा, प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति संवेदनशील होकर ही हम पर्यावरण संतुलन बनाए रख सकते हैं। आज कई युवा स्टार्टअप और निजी संस्थाएं भी वन्यजीव संरक्षण में भागीदारी कर रही हैं, जो सरकारी प्रयासों को मजबूत बना रही हैं।

बसपा प्रमुख मायावती ने साधा भाजपा पर निशाना, कहा- जमीनी हकीकत पर दें ध्यान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को कहा कि जनकल्याण से सीधे तौर पर जुड़ा जातीय गणना के साथ जनगणना का कार्य देशहित में अब समय पर और ईमानदारीपूर्वक पूरा होना चाहिए। बसपा प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर लंबी-चौड़ी अपनी प्रतिक्रिया में कहा,''भाजपा ने केंद्र में अपने 11 वर्षों के कार्यकाल के बारे में जो अपार उपलब्धियां वर्णित की हैं, वे जमीनी स्तर पर हकीकत में लोगों की गरीबी, बेरोजगारी, दुख-दर्द आदि दूर करने अर्थात् जनहित व देशहित में कितनी लाभदायक रही हैं। सही समय आने पर जनता खुद जवाब दे देगी इसकी पूरी उम्मीद है। उन्होंने कहा,''देश में राष्ट्रीय व जातीय जनगणना का कार्य कांग्रेस के समय से ही अटका पड़ा था, लेकिन काफी आवाज़ उठाने के बाद अब इस मामले में प्रक्रिया शुरू हुई है। जनकल्याण से सीधे तौर पर जुड़ा जनगणना का यह कार्य देशहित में अब समय पर और ईमानदारीपूर्वक पूरा होना चाहिए।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बोले- भाषाओं के आधार पर विभाजन बर्दाश्त नहीं कर सकता भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि भारत दुनिया का एक महत्वाकांक्षी राष्ट्र है और वह भाषा के मुद्दे पर विभाजन बर्दाश्त नहीं कर सकता। उन्होंने लोगों से देश के भविष्य की भलाई पर विचार करने और ''इस तूफान से उबारन की अपील की।उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को अक्षरश: लागू करने की जोरदार वकालत करते हुए कहा कि यह शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी, जिससे देश के विकास को गति मिलेगी। धनखड़ पांडिचेरी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना इस बात पर अफसोस जताया कि भाषाओं को लेकर विरोध हो रहा है। विश्वविद्यालय

में धनखड़ ने कहा, ''पिछले दशक में अभूतपूर्व विकास के परिणामस्वरूप भारत दुनिया का सबसे महत्वाकांक्षी राष्ट्र है। हम भाषाओं को लेकर कैसे विभाजित हो सकते हैं?

उन्होंने कहा कि दुनिया में कोई भी देश भाषाओं के मामले में भारत जितना समृद्ध नहीं है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि संस्कृत का वैश्विक महत्व है और तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, ओडिया, मराठी, पाली, प्राकृत, बंगाली और असमिया के साथ 11 शास्त्रीय भाषाएं हैं।धनखड़ ने कहा, ''संसद में सदस्यों को 22 भाषाओं में बोलने की अनुमति है। हमारी भाषाएं समावेशिता का संकेत देती हैं। सनातन एक ही महान उद्देश्य के लिए एकजुट होना सिखाता है।

उन्होंने कहा, ''हमारे गंतव्य को देखें, भविष्य को ध्यान में रखें और हमें तूफान से उबरना चाहिए। एनईपी पर, उपराष्ट्रपति ने इसे नहीं लागू करने वाले राज्यों से कहा कि वे नीति को लागू करें, क्योंकि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति ''महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी। उन्होंने कहा, ''मैं उन राज्यों से अपील करता हूं, जिन्होंने इसे नहीं अपनाया है और जो इसे लागू कर रहे हैं, वे नीति में दी गई बातों को समझें। कार्यशालाओं के माध्यम से छात्रों को नीति के लाभ के बारे में पूरी तरह से अवगत कराएं।

एक-एक कर किए तीन वार... क्राइम सीन रीक्रिएशन में सोनम ने कबूला, राजा की हत्या के वक्त मौके पर थी मौजूद

इंदौर (एजेंसी)। मेघालय पुलिस ने इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या मामले में अहम खुलासे किए हैं।

क्राइम सीन रीक्रिएशन में सोनम ने बताया कि हत्या के वक्त वह मौके पर थी और दो आरोपी उसके इशारे का इंतजार कर रहे थे। शिलांग एसपी विवेक स्येम ने बताया कि 23 मई को सोहरा के वेइसाडोंग फॉल्स के पास राजा की हत्या में एक नहीं, बल्कि दो धारदार हथियार (डाव) का इस्तेमाल किया गया। इनमें से एक डाव पुलिस ने बरामद कर लिया है, जबकि दूसरा उसी खाई में फेंका गया था जहां राजा का शव मिला था। दूसरे हथियार की तलाश अभी जारी है। पुलिस के अनुसार, राजा पर कुल तीन वार किए गए, जिनमें प्रत्येक वार तीनों आरोपियों - आकाश राजपूत, विशाल सिंह चौहान और आनंद कुर्मी ने एक-

एक वार किया।

हत्या स्थल पर मौजूद सोनम रघुवंशी ने क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान माना कि वह हत्या के समय मौके पर थी। उसने पार्किंग लॉट में ही किलर्स को राजा की हत्या करने का इशारा दिया था। पहले वार के बाद राजा से खून बहने लगा तो सोनम चिल्लाते हुए पीछे हट गई। इसके बाद तीनों आरोपियों ने मिलकर राजा के शव को खाई में फेंका।

पुलिस ने बताया कि सोनम ने अपने मोबाइल फोन नष्ट कर दिए हैं, जो अभी बरामद नहीं हो सके हैं। हत्या का कारण लव ट्राएंगल माना जा रहा है, लेकिन एसपी ने कहा कि जांच में अन्य कारणों की भी संभावना तलाश की जा रही है। अब तक की जांच में लव ट्राएंगल के सबूत मिले हैं।

एसपी ने यह भी खुलासा किया कि हत्या में शामिल तीनों आरोपी और सोनम पहले कभी शिलांग नहीं आए थे। वहीं, सोनम के कथित प्रेमी और हत्या के मास्टरमाइंड राज कुशवाह शिलांग नहीं गए, क्योंकि वह सोनम के परिवार की फैक्ट्री में कर्मचारी था और वहां पहुंचना शक पैदा कर सकता था, इसलिए वह इंदौर में ही रुका। पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में यशस्वी जायसवाल के पास इतिहास रचने का मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। 20 जून से शुरू हो रहे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय युवा खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल इतिहास रच सकते हैं। दरअसल, यशस्वी रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराने और वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ने के कगार पर हैं। टेस्ट क्रिकेट में 2023 में डेब्यू के बाद से ही ये युवा खिलाड़ी ने अपनी छाप छोड़ी है। उन्हें पहले से ही दुनिया के बेहतरीन युवा खिलाड़ियों में गिना जाता है। बाएं हाथ का ये बल्लेबाज रिकॉर्ड बुक में अपना नाम और दर्ज करा सकता है। उसके पास टेस्ट में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले भारतीय बनने का सुनहरा मौका है। यशस्वी जायसवाल ने फिलहा 19 मैच की 36 पारियों में 52.88 के औसत से 1789 रन बनाए हैं। इसमें उनके नाम चार शतक और दस अर्द्धशतक हैं। अगर वह अगली तीन पारियों में

2000 रन का आंकड़ा पूरा करने में सफल हो जाते हैं तो वह टेस्ट में भारत के लिए सबसे तेज 2000 रन बनाने के मामले में राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग को पछाड़ सकते हैं। द्रविड़ और सहवाग दोनों ने 40 पारियों में ये उपलब्धि हासिल की थी। ऐसे में जायसवाल के पास इंग्लैंड में आगामी सीरीज में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने का बेहतरीन मौका होगा। यशस्वी जायसवाल के लिए इंग्लैंड की परिस्थितियों में ओपनिंग करने की चुनौती आसान नहीं होगी। दौरे की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अभ्यास मैच में चार पारियों में उन्होंने सिर्फ एक अर्द्धशतक बनाया। जायसवाल के साथ केएल राहुल पारी की शुरुआत कर सकते हैं, जिन्होंने देश की शुरुआत इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शतक के साथ की थी और इंट्रा-स्क्वाड मैच में भी अर्धशतक बनाया था।

यूएई और अफगानिस्तान के साथ त्रिकोणीय सीरीज खेलने की योजना बना रहा पीसीबी

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) यूएई और अफगानिस्तान के साथ अगस्त में त्रिकोणीय सीरीज आयोजित करने पर विचार कर रहा है। इसके लिए उसने अफगानिस्तान बोर्ड के साथ बातचीत भी शुरू कर दी है। अफगानिस्तान को सीमित ओवरों की सीरीज के लिए अगस्त में पाकिस्तान का दौरा करना है। पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा, ''पाकिस्तान और भारत के बीच खराब होते संबंधों के कारण अब एशिया कप के सितंबर में भारत में होने की संभावना नहीं है, इसलिए, पीसीबी एक और त्रिकोणीय सीरीज के प्रस्ताव पर काम कर रहा है।''उन्होंने कहा, '' वहीं अगर एशिया कप का आयोजन अगर यूएई में होता है तो पाकिस्तान अगस्त में अफगानिस्तान और यूएई के साथ दुबई में त्रिकोणीय सीरीज खेलेगा। यह अफगानिस्तान के पाकिस्तान दौरे की जगह पर खेली जाएगी।''

उन्होंने कहा कि पीसीबी त्रिकोणीय सीरीज के आयोजन के लिए दोनों क्रिकेट बोर्ड के साथ पहले से ही बातचीत कर रहा है। साथ ही कहा, ''अगर एशिया कप रद्द या स्थगित होता है तो पीसीबी चाहता है कि अफगानिस्तान और यूएई की टीमें अगस्त में पाकिस्तान में त्रिकोणीय सीरीज खेलें।''

आईसीसी टूर्नामेंट में साल 2010 में इंग्लैंड से फाइनल में हारी ऑस्ट्रेलिया

मुंबई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स पर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का फाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। मैच में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की हार तय है। दरअसल, द. अफ्रीका जीत से महज 69 रन दूर है। इसके बाद अगर ऑस्ट्रेलिया को हार मिलती है, तब ये हार चैंपियन टीम के लिए यह काफी दर्दनाक होगी। ऑस्ट्रेलिया टीम को उनके बेमिसाल रिकॉर्ड्स और आईसीसी ट्रॉफी के लिए जाना जाता है। क्रिकेट के इतिहास में टीम ने अभी तक सर्वाधिक 10 आईसीसी ट्रॉफी जीती है। इसके बाद फैंस यह जानने को इच्छुक हैं कि आखिरी बार कब ऑस्ट्रेलिया फाइनल में हारा था। ऑस्ट्रेलिया ने बीते 10 सालों में 2 वनडे वर्ल्ड कप (2019, 2023) 1 टी20 वर्ल्ड कप और 1 डब्ल्यूटीसी का खिताब जीता था। जब भी टीम फाइनल में पहुंची है, तब खिताब उठाने में कामयाब रही है। ऑस्ट्रेलिया को आईसीसी टूर्नामेंट में आखिरी बार फाइनल में हार का सामना 2010 में करना पड़ा था जब इंग्लैंड ने उन्हें हराकर टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। इसके साथ स्टीव स्मिथ के करियर पर धब्बा भी लग सकता है। दरअसल, स्टीव 2010 टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे और वह लॉर्ड्स में जारी डब्ल्यूटीसी फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया के लिए खेल रहे हैं। अगर ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका से हारता है, तब स्मिथ ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के इतिहास के पहले खिलाड़ी बनने वाले हैं, जिनके नाम दो फाइनल हारने का शर्मनाक रिकॉर्ड होगा।

इस दिन गौतम गंभीर टीम इंडिया से जुड़ेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। परिवार में आपात स्थिति के कारण पिछले सप्ताह स्वदेश लौटने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर मंगलवार को टीम इंडिया से जुड़ने वाले हैं। 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले 17 जून को वह भारतीय दल से जुड़ेंगे। गंभीर की मां को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा कि, उनकी मां के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। गौतम कल यहां से रवाना होने के बाद टीम से जुड़ेंगे।

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज ने बेकेनहैम में भारत और भारत ए के बीच बंद स्टेडियम में खेले गए इंट्रा-स्क्वाड मैच में हिस्सा नहीं लिया था। उनकी गैरमौजूदगी में सहायक कोच रेयान टेन डोएशे, बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक और गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने पांच मैचों की इस सीरीज से पहले टीम की तैयारियों पर नजर रखी थी।

शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय टेस्ट टीम 2007 के बाद से इंग्लैंड में अपनी पहली सीरीज जीतने की तलाश में है। फिलहाल, भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट मैच की सीरीज का पहला मैच लीड्स में 20 जून से 24 जून तक खेला जाएगा।

इजरायल-ईरान युद्ध में इस एथलीट की दर्दनाक मौत, ट्रेनिंग से लौट रहे थे घर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच जंग गंभीर मोड़ पर पहुंच चुका है। दोनों तरफ से एक-दूसरे के खिलाफ हमले जारी है। जिस तरह के हालात बने हुए हैं उसे देखकर लगता नहीं कि जंग जल्द खत्म होगी। वहीं इस युद्ध में दोनों ही तरफ से कई लोगों के मारे जाने की खबर है। फिलहाल, इजरायल की ओर से हुए हमले में ईरान के सैन्य कमांडरों, वैज्ञानिकों और नागरिकों की मौत हुई है। वहीं राष्ट्रीय पैडल टीम के एक प्रमुख सदस्य पारसा मंसूर की मौत हो गई है। पारसा मंसूर की मौत उस वक्त हुई जब वह ट्रेनिंग के बाद घर लौट रहे थे और मिसाइल हमलों में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे और बाद में उन्होंने दम तोड़ दिया।

वहीं ईरानी अधिकारियों ने इजरायल के इस कृत्य के रूप में कड़ी निंदा करते हुए निर्णायक जवाब देने की कसम खाई है। ईरानी टेनिस महासंघ और खेल समुदाय ने मंसूर की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है और उनके परिवार और साथियों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। अपने समर्पण और केल कौशल के लिए पहचाने जाने वाले मंसूर को खेल में उभरता सितार माना जाता था। बता दें कि, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने के लिए इजरायल की ओर से 13 जून की सुबह तेहरान और अन्य शहरों में कई स्थानों को निशाना बनाया गया। इजरायल का मानना है कि ईरान परमाणु बम बनाने के करीब है। इजरायल और अमेरिका ईरान को कई बार परमाणु कार्यक्रम बंद करने को कह चुका है। ऐसे में इजरायल के निशाने पर ईरान के परमाणु, सैन्य, तेल के डिपो, विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और अन्य खुफिया ठिकाने हैं। वहीं रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की तरफ से नागरिक को निशाना बनाकर हमले किए गए हैं।

खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर कोच मोर्कल ने जताया संतोष

लंदन (एजेंसी)। भारत-इंग्लैंड के बीच 20 जून से प्रारंभ हो रहे पांच टेस्ट मुकाबले से पूर्व भारतीय खिलाड़ी ट्रेनिंग सेशन में जमकर पसीना बहा रहे हैं। ट्रेनिंग सेशन के दौरान टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर संतोष जताया है।

गेंदबाजी कोच ने इस बात पर जोर दिया है कि अभ्यास के साथ-साथ मैदान पर निरंतरता इंग्लैंड में महत्वपूर्ण होगी। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर मोर्ने मोर्कल का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें मोर्कल ने कहा, अब तक के दो दिवसीय अभ्यास में, परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल थीं। यह बल्लेबाजों के लिए एक परीक्षा थी, जो एक तरह से उन्हें आने वाले समय के लिए तैयार होने में भी मदद करती है। मुझे नहीं लगता कि विकेट में उतनी जान होगी, जितना हमने यहां अनुभव किया है उन्होंने आगे कहा, बल्ले और गेंद के बीच कशमकश काफी अच्छी रही है, लेकिन मुझे लगता है कि यह केवल इसलिए है क्योंकि विकेट में थोड़ी-सी जान है। जैसे ही विकेट सपाट हो जाता है, गेंदबाज पीछे हट जाते हैं। मैं उन्हें बताऊंगा कि केवल तब आक्रामकता दिखाएं, जब विकेट में बाउंस हो। जब विकेट सपाट हो, तब हमें अपना कैरेक्टर दिखाना होगा।

मैंने टीम की जरूरतों के अनुसार खेलना सीख लिया-प्रसिद्ध कृष्णा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा कि उन्होंने टीम की जरूरतों के अनुसार खेलना सीख लिया है। चोट से उबरकर वापसी करने वाले प्रसिद्ध ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया और सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की। वे अब इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से लीड्स में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज को लेकर खुश हैं।

प्रसिद्ध ने कहा, आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि जब आपका मौका आए, तब आप उसके लिए तैयार रहें, लेकिन आप वास्तव में लंबे समय तक ध्यान केंद्रित नहीं रख सकते हैं, खासकर जब आप बाहर बैठे हों, इसलिए आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप थोड़ा मौज-मस्ती करें। उन्होंने कहा,''जब आप जानते हैं कि आप स्थिति को भांप सकते हैं, तब आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आप विशेष परिस्थितियों में अपनी टीम की मदद करें। प्रसिद्ध ने कहा, मुझे लगता है कि हम सभी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि कब स्विच ऑन और कब स्विच ऑफ करना है। प्रसिद्ध ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले कुछ अभ्यास मैच खेलने से टीम को फायदा होगा। उन्होंने कहा, ''हम सभी के लिए मैदान पर कुछ समय बिताना बेहद जरूरी है। गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की जबकि बल्लेबाजों ने भी जज्बा दिखाया। जब आप अपने आपस में ही मैच खेलते हैं, बहुत अच्छा लगता है।''

इंग्लैंड को हराने भारतीय टीम में पर्याप्त प्रतिभा-क्लार्क

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने शुभमन गिल को भारतीय टीम का कप्तान बनाये जाने को सही कदम बताते हुए कहा है कि इंग्लैंड में जीत दर्ज करने के लिए उसके पास पर्याप्त प्रतिभा है। क्लार्क के अनुसार अब देखना होगा कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन के बिना ये युवा टीम किस प्रकार खेलती है। 20 जून को हेडिंग्ले में शुरू होने वाली पांच मैचों की इस सीरीज से टीम एक नये युग की ओर बढ़ेगी।

इस दौरे में शुभमन गिल को जहां कप्तानी मिली है वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत उप-कप्तान है। इस सीरीज में टीम के पास युवा गेंदबाज हैं जिनपर अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की कमी पूरी करने का दबाव रहेगा। इसके अलावा मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी उसे बेहतर इस्तेमाल करना होगा। बुमराह इस सीरीज में केवल तीन मैच ही खेल पायेंगे। ऐसे में ये तय करना होगा कि कौन से मैचों में उन्हें उतारा जाये।

क्लार्क ने कहा, ठीक है, हां मैं उन्हें एक अवसर देता हूं, लेकिन यह इंग्लैंड जाने वाली टीम की अपेक्षा बहुत कम अनुभव वाली टीम है। रोहित और विराट का न होना बहुत बड़ी बात है। खिलाड़ी आते हैं, खिलाड़ी जाते हैं, लोग रिटायर

होते हैं और खेल आगे बढ़ता है। इसलिए इसका मतलब यह नहीं है कि नया कप्तान भारत के लिए नुकसानदेह होगा। कोई रिटायर होता है तो किसी और को अवसर मिलता है।

उन्होंने कहा, मेरे लिए मुख्य बात भारतीय गेंदबाजी आक्रमण है। इसलिए हम सभी जानते हैं कि बुमराह (जसप्रीत) पांच टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे। तो, वह कौन से टेस्ट मैच खेलेंगे? क्या वह लगातार पहले तीन मैच खेलेंगे? आप यह सीरीज जीत जाते हैं, और आखिरी दो मैच मायने नहीं रखते। मुझे नहीं लगता कि ऐसा होने वाला है। मुझे लगता है कि पांच टेस्ट मैच खेलने के कारण उनके शरीर को नुकसान होगा। और फिर मैंने शमी (मोहम्मद) को भी टीम में नहीं देखा। मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलियाई सीरीज में उनका न खेलना बहुत बड़ी बात थी और अगर वह और फिट बुमराह ऑस्ट्रेलिया में होते तो यह सीरीज बहुत अलग होती। साथ ही कहा कि भारत में बहुत प्रतिभा है। मुझे लगता है कि प्रतिभा के मामले में भारत हमेशा सुरक्षित हाथों में रहेगा। बस यह है कि इनमें से कुछ खिलाड़ी इस सीरीज में कितनी जल्दी अपनी छाप छोड़ पाते हैं ये देखना होगा। इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैच खेलना कठिन होता है और ये बात उन्हें समझनी होगी।

भारतीय टीम के पास साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह और यशस्वी जायसवाल कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जो इंग्लैंड में भारत के लिए पहली बार सफेद जर्सी पहनकर मैदान में उतरेंगे। गेंदबाजी विभाग में बुमराह के अलावा प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप और अर्शदीप अपनी तेज गति अंतर पैदा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छा आक्रमण है। मुझे लगता है कि भारतीय टीम में सीरीज जीतने के लिए पर्याप्त प्रतिभा है।

यह सिर्फ अनुभव है जिसकी टीम के पास कमी है।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में बुमराह-सिराज और जडेजा रच सकते हैं इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। 20 जून से भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का आगाज होगा। जिसका पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले में खेला जाएगा। इस मैदान भारतीय टीम का रिकॉर्ड कुछ खास नहीं रहा है। भारत ने आखिरी बार यहां पिछला मुकाबला 2002 में जीता था। वहीं अगर इस मैदान पर भारत बनाम इंग्लैंड के हेड टू हेड रिकॉर्ड की बात करें तो यहां दोनों की अब तक कुल सात टेस्ट में भिड़ंत हुई है। जिसमें से इंग्लैंड ने चार मैच जीते हैं तो भारत को सिर्फ ही जीत नसीब हुई हैं जबकि एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय टीम में युवा खिलाड़ी ज्यादा हैं। जिन्हें लीड्स में टेस्ट खेलने का अनुभव नहीं है, जिनमें खुद कप्तान शुभमन गिल भी शामिल हैं। सिर्फ चार भारतीय खिलाड़ी ही इस टीम में ऐसे हैं जो यहां पहले भी खेल चुके हैं। इनमें स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत शामिल हैं। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा के पास

लीड्स में इतिहास रचने का मौका है। संयोग से ये तीनों ही यहां एक-एक मैच खेले हैं और तीनों ने ही दो-दो विकेट अपने नाम किए हैं। अगर इन तीनों में से जो भी 20 जून से खेले जाने वाले टेस्ट में 6 विकेट लेने में सफल हो जाते हैं तो वह भारत के लिए लीड्स में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला गेंदबाज बन जाएगा। लीड्स में 73 साल पहले भारतीय गेंदबाज गुलाम अहमद ने बनाया था। उन्होंने 1952 में खेले गए एक ही मैच में सात विकेट चटकाए थे। इसके बाद रोजर बिन्नी ने 1996 में सात विकेट अपने नाम कर गुलाम अहमद के रिकॉर्ड की बराबरी की। इसके बाद 2002 में अनिल कुंबले सात विकेट चटकाते हुए भारत को आखिरी बार यहां जिताया। इस तरह रोजर बिन्नी और अनिल कुंबले ने गुलाम अहमद के रिकॉर्ड की बराबरी तो की लेकिन उनसे आगे नहीं निकल पाए।

टीआरएस कॉलेज में प्राचार्य पर मनमानी और पक्षपात के आरोप, ज्ञापन सौंपा

43 अतिथि विद्वान काम पर लौटने की मांग पर अड़े

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के टीआरएस कॉलेज में अतिथि विद्वानों ने अतिरिक्त संचालक को ज्ञापन सौंपकर प्राचार्य पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि अकारण अवकाश पर भेजने के बाद उन्हें काम पर वापस नहीं बुलाया जा रहा है, जबकि उनकी जगह अपात्र लोगों को काम पर रखा गया है। इससे कॉलेज की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

ठाकुर रणमत सिंह विश्वविद्यालय में जनभागीदारी अतिथि विद्वानों की संख्या 110 है। इनमें से 75 को 26 मई से 31 मई तक अवकाश पर भेजने के बाद 2 जून को काम पर बुला लिया गया। लेकिन 43 अतिथि विद्वानों को अब तक नहीं बुलाया गया है। इन 43 अतिथि विद्वानों ने आरोप लगाया कि वे कई वर्षों से सेवा दे रहे हैं और एमफिल व पीएचडी डिग्री धारक हैं। इसके बावजूद पीजी डिग्री धारकों को मौका दिया गया है। डॉ. सुधांशु ने आरोप लगाया, "कॉलेज प्रबंधन मनमानी और पक्षपात कर रहा है। अयोग्य शिक्षकों को भर्ती किया गया है।" अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ. आर.पी. सिंह ने कहा, "ब्रेक में गए अतिथि विद्वान वापसी की मांग कर रहे हैं। यह जनभागीदारी समिति के क्षेत्राधिकार में आता है। कॉलेज प्राचार्य से भी चर्चा हुई है। जैसे ही कॉलेज में छात्र-छात्राओं की संख्या बढ़ेगी, ब्रेक में भेजे गए अतिथि विद्वानों को प्राथमिकता दी जाएगी।"

बगिया में उगा रखा था डेढ़ लाख का गांजा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के चित्रकूट थाना क्षेत्र के भगड़ा गांव में गांजे की अवैध खेती का मामला सामने आया है। पुलिस ने मंगलवार को दबिश देकर एक युवक के घर की बगिया से गांजा के 15 हरे पेड़ जब्त किए हैं। टीआई डीआर शर्मा ने बताया कि उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी कि भगड़ा गांव में गांजे की खेती की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। जांच के दौरान पाया गया कि आरोपी धनराज पटेल (26 वर्ष), पिता बंश गोपाल पटेल, अपने घर के पीछे बगिया में गांजे के पेड़ उगा रहा था। कुल 15 पेड़ों का वजन 12 किलो 450 ग्राम निकला। बाजार में इसकी कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए आंकी गई है। कुछ पौधों की ऊंचाई 6 फीट 5 इंच तक पाई गई। एसडीओपी रोहित राठौर ने बताया कि कार्रवाई दो पंचों की मौजूदगी में की गई। आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। बुधवार को आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

ईआरओ तथा आठ बीएलओ प्रशिक्षण के लिए जाएंगे नई दिल्ली

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची निर्माण के संबंध में ईआरओ तथा बीएलओ को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। रीवा और मऊगंज जिले के ईआरओ तथा आठ बीएलओ दो दिवसीय प्रशिक्षण के लिए नई दिल्ली जाएंगे। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 75 गुढ़ के ईआरओ एवं एसडीएम डॉ अनुराग तिवारी दिल्ली में आयोजित प्रशिक्षण में शामिल होंगे।

प्रशिक्षण में विधानसभा क्षेत्र 68 सिरमौर से बीएलओ पुष्पेन्द्र द्विवेदी, विधानसभा क्षेत्र 69 सेमरिया से सत्यपाल कोरी, विधानसभा क्षेत्र 70 से मधुकर प्रसाद तिवारी, विधानसभा क्षेत्र 73 मनगवां से द्वारिका प्रसाद विश्वकर्मा, विधानसभा क्षेत्र 74 रीवा से राकेश प्रकाश भटनागर तथा विधानसभा क्षेत्र 75 गुढ़ से बीएलओ सौरभ मिश्रा प्रशिक्षण के लिए जाएंगे। मऊगंज जिले से विधानसभा क्षेत्र 72 देवतालाब से बीएलओ प्रकाशचन्द्र शुक्ला तथा विधानसभा क्षेत्र 71 मऊगंज से बीएलओ आशीष चतुर्वेदी प्रशिक्षण में भाग लेंगे। प्रशिक्षण नई दिल्ली में 23 और 24 जून को दिया जाएगा। प्रशिक्षण में शामिल अधिकारियों और बीएलओ 22 जून को सुबह 8 बजे कलेक्ट्रेट कार्यालय रीवा से नोडल अधिकारी के साथ विशेष वाहन से रवाना होकर खजुराहों पहुंचेंगे। खजुराहो रेलवे स्टेशन से ट्रेन द्वारा नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी बीएलओ को प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से शामिल होने के निर्देश दिए हैं।

कृषि उत्पादन आयुक्त आज करेंगे कृषि विकास की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल कलेक्ट्रेट सभागार रीवा में 18 जून को आयोजित बैठक में कृषि विकास की समीक्षा करेंगे। बैठक में सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक किसान कल्याण तथा कृषि विभाग, सहकारिता विभाग एवं इनसे जुड़ी संस्थाओं की समीक्षा की जाएगी। बैठक में दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन, डेयरी विकास विभाग, मछली पालन विभाग तथा अन्य संबद्ध विभागों की योजनाओं की समीक्षा की जाएगी। बैठक में रीवा और शहडोल संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर तथा संबंधित विभागों के संभागीय और जिलाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

रीवा के अस्पताल में भर्ती, कलेक्टर ने दिए जांच के निर्देश

सरकारी छात्रावास में कीड़े वाला खाना खाकर तीन बच्चे बीमार, 30 बच्चों ने खाया था

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर के अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास झिरिया में लापरवाही का मामला सामने आया है। छात्रावास में बने खाने में कीड़ा निकलने के बाद 3 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। सोमवार देर रात उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायत पर तीनों को रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। फिलहाल सभी की हालत स्थिर बताई जा रही है।

छात्रों का आरोप- आए दिन होती है लापरवाही: छात्रों ने आरोप लगाया कि हॉस्टल की मेस में साफ-सफाई नहीं होती। आए दिन गंदगी और खराब खाना परोसा जाता है, जिससे उनकी जान जोखिम में है। छात्रों ने बताया कि उस दिन 30 बच्चों के लिए खाना बनाया गया था, जिसमें से तीन बच्चों ने खाना खाने के बाद तबीयत बिगड़ने की शिकायत की। एक छात्र ने नाराजगी जताते हुए कहा, "आखिर कब तक छात्रों को कीड़े वाला खाना दिया जाएगा? हर बार लापरवाही की जा रही है।" वहीं एक अन्य छात्र ने बताया, "खाना खाने के बाद पेट में तेज दर्द हुआ, चक्कर आए और उल्टियां शुरू हो गईं। हॉस्टल में कुल 150 बच्चे रहते हैं, उस दिन करीब 27 बच्चों ने खाना खाया था।"

पूरे मामले में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने दोषियों पर निलंबन की कार्यवाही की मांग की है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की तरफ से नगर मंत्री हर्ष साहू ने कहा कि जिले भर के ज्यादातर शासकीय छात्रावासों में इस तरह की स्थिति निर्मित हो रही है। विद्यार्थी परिषद इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करने वाला। तत्काल दोषियों को चिन्हित कर निलंबित किया जाए। सीधे तौर पर छात्रों की जान के साथ खिलवाड़ किया गया है।

प्रशासन ने दिए जांच के आदेश: घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जांच के निर्देश दिए हैं। छात्रावास के वार्डन ने भी घटना स्वीकार करते हुए आगे से ऐसी लापरवाही न होने का आश्वासन दिया है।

उधार आइसक्रीम नहीं देने पर हमला करने वाला आरोपी पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के राजेंद्र नगर की आइसक्रीम दुकान पर तलवार लेकर हमला करने वाला आरोपी आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। 15 दिन से फरार चल रहे आरोपी अभिलाष सिंह गहरवार को पुलिस ने सोमवार देर रात नागौद के पास उसके रिश्तेदार के घर से गिरफ्तार किया।

जानकारी के मुताबिक, सिटी कोतवाली क्षेत्र के राजेंद्र नगर गली नंबर 10 के पीछे कृष्णा विहार कॉलोनी निवासी अभिनय कुमार शुक्ला की आइसक्रीम दुकान पर 3 जून की रात आरोपी अभिलाष पहुंचा था। उसने आइसक्रीम मांगी, लेकिन दुकानदार ने पुराने बकाया पैसे पहले चुकाने को कहा। इससे नाराज होकर वह गाली-गलौज करते हुए चला गया। करीब 20 मिनट बाद वह तलवार लेकर लौटा, दुकान में घुसा और दुकानदार को धमकाते हुए आइसक्रीम और शराब के लिए पैसे मांगने लगा। विरोध करने पर उसने तलवार से हमला किया, जो कंप्यूटर पर लगकर टूट गया। दुकानदार बाल-बाल बच गया।

घटना के बाद से आरोपी फरार था। एसपी आशुतोष गुप्ता के निर्देश पर पुलिस की 3 टीमें बनाई गईं, जिनमें साइबर सेल भी शामिल थी। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया। टीआई रावेंद्र द्विवेदी ने बताया कि आरोपी शातिर है और लोकेशन ट्रेस न हो, इसके लिए वह ज्यादातर समय मोबाइल बंद ही रखता था।

मानसून से पहले रीवा में जलभराव रोकने की तैयारी

निगम आयुक्त ने किया प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण, नाली-सड़क बनाने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में सोमवार को हुई तेज बारिश और मानसून की दस्तक के बाद नगर निगम ने जलभराव की समस्या से निपटने की तैयारियां तेज कर दी हैं। नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने वार्ड क्रमांक 4 और 5 का निरीक्षण कर समस्याग्रस्त क्षेत्रों का जायजा लिया।

बता दें कि, शहर में नेहरू नगर, निपनिया, निराला नगर, छत्रपति नगर और चिरहुला मंदिर के आसपास की कॉलोनियों में हर वर्ष जलभराव की समस्या उत्पन्न होती है। पिछले वर्ष नेहरू नगर में कई घरों में पानी भर गया था। नालों की अनियमित सफाई, कच्ची सड़कें और अनियोजित शहरीकरण इस समस्या के प्रमुख कारण हैं।

निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने बीड़ा सेमरिया चौराहे पर एमपीआरडीसी के कार्य से प्रभावित नाली की समस्या के समाधान के निर्देश दिए हैं। संजीवनी क्लिनिक के पास स्वीकृत नाली का काम बरसात से पहले पूरा करने को कहा है। राज वाटिका के सामने नई नाली बनाई जाएगी और पडरा नई बस्ती सुआरन टोला में नाली और सड़क का निर्माण होगा।

खैरा नई बस्ती में गली नंबर 2 में सड़क व नाली का निर्माण किया जाएगा, जबकि गली नंबर 1 में क्रॉसिंग पुल बनाकर जल निकासी की व्यवस्था की जाएगी। आयुक्त ने चेतावनी दी है कि समय पर काम पूरा न करने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री को सांसद ने "विकसित भारत संकल्प-2047" पुस्तक भेंट की

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल को सांसद, सीधी डॉ. राजेश मिश्रा ने मंत्रालय भोपाल में "विकसित भारत संकल्प-2047" शीर्षक से प्रकाशित सेवा संकल्प के एक वर्ष पुस्तक की प्रति भेंट की। पुस्तक में सीधी संसदीय क्षेत्र में गत एक वर्ष के विकास कार्यों का विवरण है, जो "विकसित भारत" के संकल्प को साकार करने की दिशा में किए गए प्रयासों को प्रतिबिंबित करती है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सांसद डॉ. मिश्रा के संकल्पबद्ध सेवाभाव की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के "सशक्त भारत" के विजन को साकार करने राज्य सरकार और केंद्र सरकार एकजुट होकर प्रतिबद्ध प्रयास कर रही हैं।

सतना में प्रेम प्रसंग के चलते बिहारी युवक की हत्या

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के बाबूपुर चौकी अंतर्गत बडेरा गांव के नहर किनारे 11 जून को मिला अज्ञात शव अब हत्या का मामला निकला। पुलिस जांच में पता चला कि युवक बिहार का रहने वाला था, जिसकी हत्या प्रेम प्रसंग के चलते की गई है। घटना को युवक की पत्नी के पूर्व पति और उसके दोस्त ने मिलकर अंजाम दिया था।

पवन कुमार बिहार का रहने वाला था और डीएलएड की परीक्षा देने 22 मई को सतना आया था। वह अपने दोस्त अभिषेक सिंह के साथ धवारी क्षेत्र में किराए के कमरे में रह रहा था। 11 जून को अंतिम पेपर के दिन वह सुबह 7 बजे एमएलबी स्कूल पहुंचा, लेकिन परीक्षा केंद्र के गेट पर ही रुक गया और फिर लापता हो गया। दोस्त ने गुमशुदगी की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई थी।

पुलिस के अनुसार, पवन मधेपुरा में आरोपी राजीव सिंह के घर बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने जाता था। इसी दौरान राजीव की पत्नी से उसका प्रेम संबंध हो गया। डेढ़ साल पहले वह महिला को लेकर बैंगलुरु चला गया। इस कारण पवन और राजीव के परिवारों में विवाद हुआ। बाद में पवन का परिवार मधेपुरा छोड़कर चला गया था। करीब एक माह पहले पवन और महिला फिर मधेपुरा लौटे थे।

टीआई सुदीप सोनी ने बताया कि हत्या के दिन आरोपी राजीव अपने दोस्त वीरेंद्र के साथ सतना आया था। एमएलबी स्कूल के बाहर से पवन को ऑटो में बैठाकर दोनों बडेरा ग्राम की ओर ले गए। वहां नहर किनारे उसके पैर बांध दिए और सिर पर पत्थर पटककर हत्या कर दी। इसके बाद दोनों आरोपी वापस बिहार लौट गए।

पुलिस ने जब अज्ञात शव के मामले में जांच शुरू की तो शहर के कई चौराहों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। एक कैमरे में पवन दो लोगों के साथ ऑटो में जाते दिखा। ऑटो ड्राइवर से पूछताछ में पता चला कि आरोपी मृतक को भाई बताकर पैसे के लेनदेन की बात कर रहे थे। ड्राइवर ने तीनों को नहर किनारे उतारा था।

मामले में आरोपियों के मोबाइल की लोकेशन घटना के दिन सतना में ही मिली। पुलिस टीम ने मधेपुरा में दबिश देकर वीरेंद्र सिंह को पकड़ा और सतना लाकर पूछताछ की। उसने बताया कि राजीव के कहने पर वह साथ आया था और दोनों ने मिलकर हत्या की। फिलहाल मुख्य आरोपी राजीव सिंह फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

कार्यालयीन कामकाज ई आफिस से करने का प्रमाण पत्र 23 जून तक दें - कमिश्नर

अधिकारी भ्रमण के दौरान स्कूल, आंगनवाड़ी और छात्रावासों का निरीक्षण करें - कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद ने संभागीय समीक्षा बैठक में कहा कि सभी अधिकारी कार्यालयीन कामकाज ई आफिस के माध्यम से करें। अब कमिश्नर कार्यालय में फाइलें केवल ई आफिस सिस्टम से ऑनलाइन भेजें। कोई भी फाइल अब हार्डकॉपी में स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी विभाग ई आफिस में ऑनबोर्ड होकर कार्यालय प्रमुख अधीनस्थ कार्यालय तथा विभिन्न शाखाओं से फाइलों का संचालन ई आफिस से ही करें। सभी संभागीय अधिकारी 23 जून को ई आफिस व्यवस्था लागू होने का प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। कमिश्नर ने कहा कि सभी संभागीय अधिकारी क्षेत्र में भ्रमण के दौरान स्कूल, आंगनवाड़ी केन्द्र और छात्रावासों का निरीक्षण करके उनके सामान्य कामकाज की जानकारी लें। इनमें पेयजल व्यवस्था, साफ-सफाई तथा अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण प्रतिवेदन में उल्लेख करें। कमिश्नर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक जारी रहेगा। अभियान के तहत जल संरक्षण के कार्यों के साथ-साथ वृक्षारोपण भी किया जाना है। पर्यावरण को संतुलित रखने और भावी पीढ़ी का जीवन सुरक्षित रखने के लिए जल संरक्षण और वृक्षारोपण अनिवार्य है। शासकीय कार्यालय परिसरों में उपयुक्त स्थल पर एक पेड़ माँ के नाम योजना के तहत पौधे रोपित करें। रोपित पौधों की सुरक्षा के भी उचित प्रबंध करें। स्कूल चलें हम अभियान के तहत शाला जाने योग्य बच्चों का शत-प्रतिशत शाला प्रवेश सुनिश्चित करें। संयुक्त संचालक शिक्षा निःशुल्क पुस्तक वितरण तथा साइकिल वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित करें। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए शिक्षकों का संभाग स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित कराएं। उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग धरती आबा आदर्श ग्राम योजना के तहत 30 जून तक लगाए जाने वाले शिविरों को प्रभावी बनाएं। इन शिविरों में पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने तथा शासन की सभी योजनाओं का लाभ देने का प्रयास करें।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि आयुक्त नगर निगम तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी शहरी क्षेत्र के नालों की तत्काल सफाई कराएं। जल भराव वाले क्षेत्रों का चिन्हांकन करके उनमें जल निकासी की समुचित व्यवस्था करें। संभागीय यंत्री लोक निर्माण विभाग वर्षाकाल में जलमग्न होने वाले पुलों में आवश्यक संकेतक तथा बैरियर लगाएं। सड़कों और पुलों के सुधार का कार्य भी करें। मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के संभागीय प्रबंधक देवलोंद में सोन नदी के पुल में सुधार का कार्य तत्काल शुरू कराएं। क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य शासन के निर्देशों के अनुरूप मातृ मृत्यु दर तथा शिशु मृत्यु दर पर नियंत्रण के लिए प्रभावी उपाय करें। वर्षाजनित रोगों से बचाव के लिए भी सभी अस्पतालों में उचित व्यवस्था कराएं। बैठक में सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों तथा टीएल पत्रों के निराकरण की समीक्षा की गई। बैठक में पेंशन प्रकरणों के निराकरण एवं कुपोषण को मिटाने के प्रयासों की भी समीक्षा की गई। बैठक में संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त श्रेयस गोखले, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ एमएल गुप्ता, अधीक्षण यंत्री पीएचई महेन्द्र सिंह, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ आरपी सिंह, एसडीओ वन विद्याभूषण मिश्रा, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी मनीष पटेल तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।